TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4311**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

ॐ नमः श्रीवर्द्धमानस्वामी वर्द्धमानगुण करे श्रीजंबूस्वामि वृत्तिस्य कार्तिकर्ति विज्ञप्ति तेंकालचउथी आरो तेणइंसमइं राजगृहनगर हतुं वर्णनक रवायोग तिहांराजगृहनगरइं

ॐ नमः श्रीगणेशायनमः॥ तेणंकालेणं तेणंसमएणं रायगिहेनामंणयरे होत्था वण्णओ तत्थणंरायगिहे णयरे

गुणशिलनामाचैत्ये वर्णनकर वाचोग तिहांराजगृहनगरें श्रेणिकनामाराजा हतो मंत्रीस्वर अभयकुमारनामा हतो

गुणसिलेचेइए वण्णओ तत्थणंरायगिहे सेणिएनामंरायाहोत्था मंतीअभयकुमारेहोत्था च

च्यारबुद्धिनैविषेनिउण तेकालनेविषे तेणीसमय श्रमणभगवंतमहावीर अनुक्रमेविहारकरता जिहांगुणशिलनामाचैत्य एहवउरहइ

उव्विहबुद्धिनिउणे तेणंकालेणं तेणंसमएणं समणेभगवंमहावीरे पुव्वाणुपुव्विंजाव जेणेवगुणसिलए

तईतिहां श्रीभगवंतसमोसर्या श्रेणिकराजावांदवानीकलीउ मंत्रीपरिवारकरीसहित श्रमणभगवंतमहावीरनेवांदइ नमस्कारकरइ

चेइए सामीसमोसरिए सेणिएनिग्गए मंतीपरिवारसंजुए समणंभगवंमहावीरंवंदइ णमंसइ तत्ता

यावत सेवाकरतांथको गतिदूरनहीनजीकपण ते मध्यभागइबेसइ भगवंतधर्म कहतांथका विचरइछइ तेधर्मच्यारप्रकारनोपरूप्यो दान शील

जावपज्जुवासमाणे नच्चासण्णेविहरइ भगवंधम्मोभासमाणे विहरइ धम्मोचउव्विहेपन्नत्ते दाणेशीलेत

तपभावना दानथकीपामीलक्ष्मीपामिएफल शीलथीमनवांछितसुखपामइ तपस्याथीकर्मनोक्षयहोय भावनाथकीमोक्षफलथाय श्रेणिक

वेभावे दाणेणभोगसिद्धिफलं शीलेइ सिद्धिसुहफलं तवेकम्मक्खयफलं भावेणसिद्धिफलं सेणिओ

राजाएहवोउपदेशबैठो सांभलेवइ तिवारेएकदेवताआवइ ऋद्धिक भगवंतनइंवांदइं किमस्वरियातदेवता वांदइ तिमवांदीएहवा करइं भाइसेदेवलोकइं

रायाजंवपसेसुद्धा तेएणंसे एगेदेवेमहद्धीए सयबं वंददएक्कादासरियाओ तहाछा भगंदेवलोए अ

१

शिवगो केवली आउषो छइ तिवारि सामइ महावीरा आज थकी सातदिननै अंते पछी देवपणइ पछी केदि एथकी आवी जंती

ज्जेण कइ आउक्खिए सा सयवं एवं वयासी अज्ज सत्तदिणंतरे मणुए सचेवणस्सइ तेदेवे काले वद्दिसंप

तेली डदिश्राए लोनको तिवारिवली श्रेणिकराजा कहइक सीनइ इमकहइ हे स्वामिन ते देवता व्यवीनैक एथासी हे श्रेणि

त्तइए ताभेव दिसं पडिगए तए णं से सेणिए राया तहाए एवं वयासी सयवं एस देवो को सविस्सइ सेणि

कहो इजो जंबूनांमे केवली होसी तिवारइं श्रेणिक विनयकरि पूछइ हे स्वामिन जंबूनामा पांचमइ आरइ होसे

या अपच्छिम जंबूणामं केवली सविस्सइ तए णं सेणिओ विणएणं पुच्छइ सयवं जंबूपंचमा वदिढं ते

कहो तिवारइं श्रमण भगवंत महावीर मीठीवाणी करी इमकहइ हे श्रेणिक एह जंबूद्वीपनामा द्वीप भरतक्षेत्र

उवदंसेह तए णं समणे भगवं महावीरे महुरवाणिए एवं वयासी सेणिया इह जंबूद्वीवे भारहे

तिहां सुग्रामनामानगर हतो तिहां राठवडनामा परभरसामान्य नवसइ तेहनी भार्या रेवती तेहवतीना ज्ञानात्र श्री गजा नराह्रनोपुत्र

वासे सुग्गामणामं नयरे होत्था तत्थ णं रायकूडणामं गामरे वसइ तस्स भारिया रेवइ तस्स अं तए रावकूड

हेयुया तेह कहा भवदेव भावदेव एहबेवा तिवारइं ते भवदेव साधु भैको गइ दीक्षालेइनै विचरइ एक दा

ते डवे पुत्ते तं जहा भवदेवे भावदेवे होत्था तए णं से भवदेवे साहुसंजोए संजमेणं विहरइ अन्न

समयनइ विरे तेस भवदेवनामा अणगार साधु सुग्रामनगरनै विषइं आवीनइं भावदेव साइनइं प्रतिबोधइं भ प्रकाबइ एहे भावदेव नागिला

या कयाइं से भवदेवे णामं अणगारे सुग्गामणयरे समागच्छइ भावदेवं बंधवं पडिबोहेइ णायला 2

नाकस्त्री नवीपरणीतेअंग्रे जाईसंयमदीक्षालेइविचरइ छइ बारइवरसनै ओतरइ सवदेवनामासाधु
णमंसारियाणवपरणीयाचयइ तञ्चाएसंजमेणंविहरइ बारसवसंबच्छरंतरिए सवदेवेणमंअण
संथारोलेइदेवलोकेदेव ताऊपो एकसवक री सीझसइ तिवारइ पछैतेसावदेवनामासाधु संयमपालिय कीतहयथयो नागिलामारहरी
गारे अणसणेदेवलोए एगावयारे सिज्झिसइ तएणंसेसावदेवे अणगारे संजमंसखाए णायलामम
स्त्री नवपरणीयोव नवंसी घणी गोरवर्ण सुंदर पहवीतेस्त्री साथे पंचप्रकारनाकामभोग शब्दादिक किलसुंजो गुं पहवोचिंतवी
सारिया णवजोव्वण अइवगोरंगीसरूवा तीहिंसद्धिं पंचविहे कामभोएविलसामि एवं अज्झत्थिए
चारिचनेबांधीने किसेकाममनरनेतेरनइनानाबसी रूपवदेवनोदेहरो छइ तिहां आवीनइ देहरानईबारणेबेठोथइ
चारित्तंचयइ कोविअणामेणयरेपरिसरे रिसहजिणालए तेणेवागच्छइ जिणहराउ बाराहि
तेणइसमेनागिला किसा तिहां आवीतेके दवीडइ सकडविजाएइ वी अजाणतोअणजाण तोथको सावदेवसाधुइसमबोलो देखी
त्ता तेणंसमएणं णायलातत्थसमागया किसाउब्बला अवियाणियमाणे सावदेवेएवंवयासी सोसद्दे
तंनागिलानेभलइछइ तिवारइनागिलाप्रतिमुनिनइओलखीने इमबोली उमारोस्वंतामहे किणवासतेइहांआ आ
उभंणायलाजीवलरकइ तएणंणायलापयंजलिकिया एवंवयासी उभंकिणमक्केणइहंइहमागय
नागिलासेती केहवोकार्यछइ अस्तइइ तिवारेसावदेव इमकहइ नागिलापदरीकार्यास्त्री प्राहरामनमाहिदुःखंजपेमनो बिडीमतेहनो
णायलाएणंकिंकज्जंअस्थि तएणंसावदेवे एवंवयासी णायलामममंसारिया मममणेअईवपिम्मबिंडो २

ले॰
सालइ पहिलांमैताहेंकरीसंयमलीधोते यावततेहनापेमक्केहनेबसइंचारि ग्रमूंकी ञ्जिवारइनागिलामिलसी तिवारइ
ंसलइ पुव्विंतञ्चाएणंसंजमंगहियं जावपिम्मवसिए संजमंछड्डो जायाएणायलामिलिस्सइ तयाएं
घरमांरेवसि कामभोगवश्यं तेसणीईहांआव्योछुं तिवारइतेनागिलाइमबोली एमिथ्यात्वनमोहोबडनमत बोली
गिहवासंकामभोगंविलसामि तेणहेणंइहमागए तएणंसानायलाएवंवयासी एसमिच्छावयणंमावयह
संयमचांनकानीस्वनजिनचितं मणीरत्नमांछी कणकाकरोपहइलेवे हाथीनइगीनीमहइनइं कणलेवई कल्पवृक्षनैगपा
संजमंचिंतामणिंपरिहवेइ कोविकक्करंगिण्हइ गयंदंमुइयरासहंकोविगिण्हइ कप्पसरकंमम्
जीनइ कणधतुरोथापइछे पईं दुःखनोबीनइं कणकोजीनइं आस्वादइ चीपइं दर्शनमाघ करइ बलिविणधर्मबोली कण
लयइ कोविकणयंचवेइ धत्तंपरिठवेइ कोविसोवीरंआसायइ दुद्धपरिसंजिणधम्मंचयइ कोवि
कामभोगनैविलसइंसे बइं खलीजिमइ बोली कणमिलाकपरवैसइं पूर्वलासाधुविचार सतरतआददेइदसच
कामभोगंविलस्सइ पवहणंचयइ कोविसिलापविठइ पुव्विंसाहूसंजारेह सरद्वाइदसचक्कवट्टी
कवर्तिआदेदइदशच वर्त्तीराज्यछोडीचारित्रलेइहुक्षिया एहवासासुधकार लेकर नमिराजऋषि दुमुहिराजऋषि करकंडूराजऋषि
रज्जंचइत्ता संजमेणंविहरिया एएसाहसंसारेह नमिरायरिसी दुमुहरायरिसी करकंडूरायरिसी
नगईनामाराजऋषि मृगापुत्रसाधु समुद्रपालसाधु गजसुकमालसाधु सहतांदोहिलोएहवाउपसर्गजोया खाते
नग्गईरायरिसी मियापुत्तसाहू समुद्दपालसाहू गयसुकमालसाहू दुस्सहेवसग्गेअणसवइ से 3

साधुसंचार वलीमेतार्यमुनि प्रमुखनी अर्जुनमाली साधु धन्नानामा अणगार खंधक अणगार अइमुत्तो
साहुसंसारेइ मेअज्जरिसीपमुहाणं अज्जुणमालागारेमुणी धन्नअणगारे खंधगअणगारे अइमुत्त
ऋषि इत्यादिक अनेक राजकुमार राज्य छांडीनार अंतेउर छांडी जिनसर्वे ... संयमे करी तपे करी सहीते तिम
रिसी इच्चाइ अणेगराजकुमारा रज्जरहं भरं अंतेउरं चिच्चा जहा नाणबलं चरित्तं संजमेणं तवसा अप्पा
आपणी आत्मा वतीथ कारिवरहुइ केइ साधु मोक्ष पहुंता केइ साधु देवलोके गया केइ साधु पनवकरी सीकसी एकाअवतारी थया ते ते साधु सारणकर विचार
णं भावेमाणे विहरइ केइ सिद्धिगइं पत्ता केइ देवलोए एगावयारे सिज्झिस्सइ अप्पं तेसाहु समरणे
माणीभानो शरीर असुचिवइ छेदइ जीव वायोम बारीहारवइछे रातनइ दिनजेदना अधुव असास्वता सरीर
न वेइ नाममास सरीरे असुइपइ वियत्तदेहे उच्चारसदारे अहनिसं पवहइ अधुवे असासए सरी
... रोगनो घर छे तेह मासरीरनइ कुणरतिक पंडित छे ते विरक्त विषइ रइ धरइ छइ विणपत जो विशेष प्रसोधारित्र जिम को नीजइ
री बाहीरोगाण आलए तेसिं सरीराणं केरमइ पंडिया विरमंति नवरसाइयसंकमं नमुयइ आह
अगंधणकुलना कपमास ... वमोविषपाछो नलइ आपणी आत्मा अगि जीहिवोपइ विसजमे कवी संयम पखानजोण देह
अगंधणेकुलेवमण विसं न पच्चागिण्हइ अप्पं अगिंधोमेइ नसमंसवइ संजमं सारमूणइ देहं ३
शरीर कामसो असारजाणइ वलीसंयमनो भार करदीकाले तिवारे सावदेव इमकहइछइ सोमदित एकवारपूछनइ
कामभोगं असारं जाण भुणरविसंकमं न कुव्वइ तएणं सावदेवे एवं वयासी सोमदित्ताण नागिणि

नागिलानादेखन तिवारइ तेनागिला इमबोली देसाधु रूपवेषधारी जेनागिला तादरी स्त्रीकं तुमाइ
मनायजादिरावेइ तएणं तेनायला एवं वयासी देसाहुरूवधारी अहं नायलातवपिया अहं उमंम
रोगाणबरतन जीर एहवोबवनसांभ जीनइ सावदेवसाधुनामन विषइ एहवो अध्यवसायकपनो हाइतिखेदिपाहरी स्त्री तुबलीकम
मयाणवहइ इमंवयणंसुच्चा सावदेवस्समणंसि एवं अज्झत्थिए समुप्पन्ने हा एसा मम बल्लहा उच्चलाकि
रूपरहितसरीर तिवारइतेसावदेव इमबोल्यो हेस्त्रीतुं केणे कारणइ दूबली कसमइ तिवारै नागिला
सा असरूवसरीरा तएणं से सावदेवे एवं वयासी वल्लहाउमं केणहेउं उच्चलाकिसा सवइ तयाणं नाय
इमबोली तइसंयमलियो एहवो मेंजाण्योपछइ को वैराग्यवंतथइ जिनधरमनइविषइ श्राविकणी अस
ला एवं वयासी उमंसंजमंगहियं मए वियाणियापच्छा अहं वेरग्गजाया जिणधम्मे समणोवासिया वस
धारणीथइ वेलाबेलानेपारणे आंबिलकरतीब्रिहसंहुं रहुंछुं तेवचनसांभली सावदेव प्रतिबोध पाम्यो हामइं अकार्य
यारणी जाया छट्ठं छट्ठेणं पारणए आयंबिलेण विहरामि तेबयणं सुच्चा सावदेवे संबुद्धे हामए अकिच्चं
कीधो एस्त्री रूपतेणइं कामविकारजीतो जेंसंयमवं पीजोगनइं कोहं तेजणीकं अध नइं उत्तमहीन
किच्चा एसइत्थिरूवे कामवियारं जिए अहं संजमंपरिच्चाइसी मंकं रखइ अहअधमे अकयवले अ
सो जारहितजो हेनागिलातुं धन्यछे उत्पवंतीतुं जिमरहनेमीनै राजेमती नेप्रतिबोध्यो तिमतुमी संयमआदर्यो आत्मानेसंलेषनाकरी सेवइ
कयसोहे णायना अहं धन्ना कयउन्ना कहारहनेमी तहा पुणरवि संजमं गिण्हइ अप्पाणं संलेहणाए

4

देहनइ कालकरी देवलोकि ऊपनो नागिलानो जीव एकभवक मोक्षजासी तिवारइं ते देवजीवदेवतानो सात
री
सइ कालं किच्चा देवलोए समुप्पन्ने नायलाजीवे एगावयारे सिद्धे सविस्सइ तए णं से देवे सत्तसागरोवमा
सागरोपमनो आउखो तिहांदेवलो आउखोक्षयकरी आंतरारहितसरीर ए जंबूद्वीप पूर्वमहाविदेहक्षेत्र
पालो कायुकी देवभवक्षयकरी छांडीनइं
इं ठिइं पालित्ता तत्थ देवलोए आउक्खएणं ३ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबूद्दीवे पुव्वमहाविदेहे वीत-
वीतशोकानामा नगरी छइं तेवीतशोकानगरीनेविषइं पद्मरथराजा वनमालापटराणी नानाप्रकारनाकाम
सोगाए णयरीए होत्था तत्थ णं वीतसोगाए णयरीए पउमरहे राया वणमाला पट्टदेवी विविहे कामभोगे
भोगभोगवताथकार तिवारइंतेदेवता वनमाला कूखनइंविषइंक नवमास घणं पूराऊवां यावत् रोगर
इइ छइं नी पनो हित
भुंजमाणे विहरइ तए णं से देवे वणमाला कुच्छिंसि समुप्पन्ने नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव आरु-
कालकुजनमो यावत् नामदीधशिवकुमार पंचधायकरीपरवर्योथिक योवनवयपाम्यांएकदि पंच
नामदीधो रहइछइं वसइं
मारु गंधारयंध्याया जाव सिवकुमारे णामं कए पंचधाइपरिग्गहिए विहरइ जोव्वणं से णं दिवसे पंचस
सयकन्यानोपाणिग्रहणक एकदाशिवकुमार पंचसयअंतेउरस्त्रीमं बत्रीसबद्धनाटकदेखताथका तेणेसमय
रावइ गोखइंनेविषइं देखतां
य कन्नापाणिं गिण्हावेइ अण्णया गवक्खे पंचसयअंतेउरी मज्झे बत्तीसबद्धनाडयं विलोयमाणे तेणं सम-
नइं वीतशोकानगरी माहोमांहि धर्मघोषआचार्यनाशिष्य मासक्षमणपारणइं गोचरीजाता देखइं ईर्यासमि
विषै नइं साधु ततेभारती
एणं वीयसोगा नयरी मज्झं मज्झेणं धम्मघोससीस अणगारे मासखमणपारणए गोयरग्गमणं पासइ इरिया ४

इर्यासमि यावत् ब्रह्मचारी साधुशिवकुमारदेखीनइं एहवोचिंतवो एहसाधुसरीरे दूबलु जलपरीसहसहतो देखि
तियाते एहवा वेज
समिए जाव बंभयारी सिवकुमारे पासइ पासित्ता एवं अज्झत्थिए एस साहु निरससरीरे उसिणपरिसहे सहेस
लोतेस दूबलदेह कोणनास एहवासाधुनइंवांदुं एहवोचिंतवीऊठेऊठी गवक्षनइंछोडइंछोडीनइं जिहांनिग्रंथछे
हइं हित नइं
इ सहे किं से इवले किं तं के इमं साहुं वंदामि एवं चिंतिए उठाए उठित्ता गवक्खं उत्तरइ उत्तरित्ता जेणेव निग्गं-
तिहांआवइ आवीनइं वांदीवांदीनइं इमकहइं केणेकारणइं एदुःसहदूखसहो तिवारइंते इमबोल्या
जे साधु
थे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता वंदइ वंदित्ता एवं वयासी केणट्ठेणं एस उ स्सहं सहइ तए णं साहु एवं वयासी
धर्मनइंअर्थइं शिवकुमार उमारइंकोणधर्म तेसाधुबोल्या तेधर्मआहरोधर्माचार्य शिवकुमार तेधर्माचार्यकिहांछइं
कहइ छइं जाणेछइं कहइ
धम्माए त्ति वयइ उ भो णं के धम्मे ते धम्मे मम धम्मायरियं वियाणइ सिवो वयइ ते धम्मायरिए किहं
साधु कहइं वीतशोकानगरीनइं ईशानकूणनेविषइं उद्याननेविषेधर्मा तिवारइंतेशिवकुमार
बाहिर र्यछइं
अत्थि साहु वयइ वीयसोगा बाहिरिए उत्तरिपुरच्छिमे दिसीभाए उज्जाणे तत्थ अत्थि । तए णं से सिवकुमारे
जिहांधर्माचार्यछइं तिहांआवइंआवीनइं वांदे वांदी इमकहइं उमारइंस्युधर्मक तिवारइंधर्माचार्य
नइं छोछइं
जेणेव धम्मायरिए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता वंदइ वंदित्ता एवं वयासी भंते के धम्मे पन्नत्ते तया णं धम्मायरिए उ-
पहिलो भावदेवनो भवकह्यो तेभवसुणीनइं शिवकुमारनइं पूरवलोभवसां वैराग्यऊपनो मातापितानी आज्ञा
जातिस्मरणज्ञानऊपज्यो भलीदेखीनइं नइं अर्थइं
वसाव देवं सव्वं निवेइयं सिवं जाइसरणं समुप्पन्नं उवसंतं जाव वेरग्गं संजाया अणुण्ण आपुच्छ आमे।

डोदिसाथी आव्यो तेणीजदिसापाछोगयो किहां मातापितावइं तिहां आवइ आवीनइं जिमविधकुमारनि मातापितानइं
इतो एतलेघरआव्यो मयतलोविशेष आज्ञानदी
वहिसंपाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए जेणेव अम्मापियरो तेणेव उवागच्छइ २त्ता करयल देणवइं अम्मणदा
धी तिवारइं पयरथराजा इंद्रधर्म नामाश्रावकनइं बोलावीनइं इमकहइं देवधर्मश्रावकमादरइं इंद्र
विया तएणंपउमरहेराया दढधम्मं णामं समणोवासियं सद्दावेइ एवं वयासी दढधम्मा णमं णो उन्ने इहे
एकअब
कोत मनोज्ञ रत्नमाकरंडियासमानअइ तेहवोबचनकहइं जेणेकरिघरमांहेतिश्चलथइ तिवारइंतेइंद्रध जिहां
तेहनइं रहइ श्रीआवक
कंते मणुणे रयणकरंडगसमाणे तं वयणं सासइ जेणं गिहवासंथिरेसवइ तएणं सेदढधम्मे जेणेव
शिवकु तिहांआवेआवीनइं बोदइं तिवारइंशिव इमकहइं हेसाधर्मि एअजोकुमारतकारअ इंद्रधर्मश्राव
मारइ कुमार॰ कसादर्मी योग
सिवे तेणेव उवागच्छइ २त्ता वंदइ तएणं सिवो एवं वयासी साहम्मी एस अज्जु तंमा करेह दढधम्मोव
कक हेशिवकुमारतुंनाबचार तेणइंकारणइंबोद हेशिवकुमारएकमाहरोव जोतो मातापिता जीवइंताल
दइं थियोअइं वायोमयइंत्त वचनतमान गइं
यइ सिवा उमंचरित्तं अत्थि तेणहिंणं वंदणिज्जो सिवाणं मम वयणं मन्नह जाव अम्माविए जीवंतेहित
संयमवारिव्रमत सावचारिव्रसहितश्रावकपणइं तेघरमांहेरहे तिवारइंसिवकुमा तिवारेतेशिवकुमार
लेह रहवन्नतपाणकरे
वसंजामंमा गिण्ह सावयचरित्तं समणोवासय हुवे गिहंचिट्ठ तएणं सिवे तहत्ति तएणं से सिवकुमारे छ
बलेबलेतपपारणइं आबिलकरतोसिव इमबारइंबरससुधी तपस्याकरी छेहडइंकाल विद्युन्मालीदेवतानेविषइं
रहइअइं तपस्याकुरइं करी ऊपनो
छंठेणंपारणए आयंबिलं विहरइ दुवालससंवच्छराइं तवं काउं कालं किच्चा विज्जुमालीदेवेसु उव ५

तिहांथारवत्पनो थितकदीत्तउ पछिदेवतानोआ आंतरारहितशरीरलं एहजजंबूद्वीपनाही
थीतवध उच्छोडायकरी तीनइ पनइविषइ
वणे तओणं चवित्ता इहेव भाइं डिइपणत्ता त्तत्त आउक्खएणं २ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबूद्दीवे
भरतक्षेत्र राजगृहनगरइ तिहांऋषभदत्तसेठवसइ तेहनैघरेधारणीराणी जेहइ सद्द रूप रस गंध
भारहेवासे रायगिहे नयरे उसभदत्तसेट्ठी परिवसइ तस्सगिहे धारणीदेवी होत्था सद्दरूवरसगंध
पांचेपंचविधकामभोगना तेधारणीनीकूखनइंविषइ जंबूनामाकुमार ऊपनो तिवारइधारणीदेवी आधीरात
सुखइंकरीरहइअइं पाचवर्जनवइं
फासं सुहेणं विहरइ तस्स कुच्छिंसि पंचमन्नवे जंबूणामं कुमारे समुप्पन्ने तएणं धारणीदेवी उब्बरत्ताव
नासमयनइंविषइ जंबूनामादक्षु दस्यो सोनासरीखापानफूलफलसहित आवतोप्र प्रवेसकरती इमतवमा
नपदनो पमांहे देषइं
रत्तकालसमयंसि जंबूणामं सुरकेद्दरियसुवणरत्तपुप्फफलपूरिए आसुद्देपविसमाणसइ नवण्हंमा
सपूरा थयतजंबूनामाकुमार पंचधायकारीपर वधइंअइं जांइकअ आठवरसजोणीनइं विद्याचार्यसमीपइ
षयो वस्तीमको ष्टिक मेलव्या मूक्यो
साणं जाव जंबूणामं कुमारे पंचधाइपरिग्गए विवड्ढइ साइरेगाइं अट्ठवरिसं जाणिता विज्जायरियस
सतेआद ७२ पनीवज्ञतर बउसठिकलाविज्ञानसीना नेहनइंविषइंक मातापितानइबहुलमथयो
देइ कला ७० सलथयो
मीवे माइयाइ बावत्तरिकला चउसट्ठि विन्नाणकुसला अट्ठवसरस्स अम्मापियवल्लहा न विस्सइ अ
घणंसोभाती सुंदरमनोहर सलालङ्कण तेधव्य तेहनीरूपिमांहे अनपअक्तम्मइ धरतीनोमोल पिणस्त्रीनोमोल
नौधरलहार स्त्री
इवसोभागी सुंदर मणोहर सुलक्खणे तेथला महिलाक छिंनत्तमउत्तेपयाइ मेइणी मुच्छं अत्थिउणमा-
6

नही तेकेणइंकारणे प्रथमतोभीजनो बलेबिजी उतमउत्तमवर्ष अरिहंतादिक रूपी तेनली स्त्रीनोभोजन उण ष रूपजोइ नी
हिलासुहं नत्थि से केणट्ठेणं एवं वुच्चइ नवरं तत्थ भवरिसंकयं सिवत्तवुच्चइ तेणट्ठेणं महिलासुहं
एकतकवुरुषसर्वसमान चंद्रमासमान तिर्थंकरसमान चक्रवर्त्तिसमान बलदेव वासुदेव मंडलीक
नत्थि एगिदोत्रसरिसिस्ससमाणे चंदसमाणे तित्थयरसमाणे चक्कवट्टीसमाणे बलदेव वासुदेव मंडली
एहवाउत्रजनमइं एहवीस्त्रीतेउतमनाफल तेजंबूनामाकुमार बालकोबालपणाव बालअवस्था योवनवयपाम्यो
य एयारिसे उत्ते पयायइ एस इत्थि उग्गफले तेणं जंबूणामं कुमारे उम्मुक्कबालभावे जोव्वणगमणुपत्ते
कीएहवोमातापिताइंजो सरीखी सरीखीत्वचा सीरीखी सोवनवर्णअंगभ्रम सिंहसरीखी चउसठविज्ञानस्त्री लीनइ वानदी वय सरीखीअंग कलो नाकुण
अम्मापिउ विद्याणिया सरिसया सरितया सरिव्वया सुवण्णगोत्तयरवी हरितकी चउसट्ठिविन्नाणकु
तेहनैवि एहवीनडीनलक्ष्मीतेहन्पसेव तेविवाहनइंकाजे तेणकालेव तेणइंसमइं सुधर्मानामागणधरन वेकसल तेहनीआठकलवंतकन्या राखी वेश्चरइं नवंतनोग्रिष्य
सला इत्थ अट्ठ कन्नवालिया पाणिग्गहणं गाहिया तेणं कालेणं तेणं समएणं सुहम्मे णाम गणहरे उक्का
अउकमइंविहार यावत् लिहो राजग्रहनगर गुणशिलनामावनगडेतिहांस राजाकोणिकहां जंबूपिणवां करतायका नू मोसर्या दवानीकल्यो दवान्यो
फउत्तिवरमाणे जाव जेणेव रायगिहे णयरे गुणसिलेचेइए समोसरिए कोणिय निग्गए जंबू निग्गए ६
सुधर्मास्वामीना धर्मसुणतायकाविचरइं तेकहेछे जिवारइंजलोचित्त बलीजिवारइंधर्मनी तिवारइंआपणाहि सुथयकी वइ अनइथत स्वजवइ तमइंअथइ
सो हम्मइ धम्मं सुणमाणे विहरइ तं जहा जयाणं चित्तं चित्तं जयाणं धम्मरुइ तयाणं अम्मापियरा

बिलंबनकीजोएतले किसान मनचंचलछे तेनली हांनदेतोधर्मकरतां तेवचनसांभ जंबूवेराग्यवंतथ एवइ दांनअनइधर्मकीजे णी प्रमादकरवोनही लीनइं यो
अविलंबि सवेइ केणट्ठेणं भणंचवलं तेणट्ठेणं धम्मंतकायचो नेवयणं सुच्चा जंबूवेरग्गं संवइ धम्माय
धर्माचार्य इमकहइ उन्हारीआज्ञाजेतो मातापितानो आदेशलेई एहेसंयमलेइविचरंतिवा जिमसुख बइ रइंसुधर्मास्वामीकहइं जवइतिमकर
रियं एइ एवं वयासी उन्हेणं अम्मणनाया अम्मापियाए आपुच्छिए हामि पव्वासं जाव विहरामि जहासुहं
तिवारइंजंबूजिहांमाता तिहांआवतोथको राजग्रहनगरीनो तेतेसमइं नगरथकीथी एकलोहनोगो पिताछइं पोल
तएणं जंबू णेव अम्मापिए तेणेव उवागच्छमाणे रायगिहे दुवारे तेणं समएणं नयरं सितरए एगं जं उग्गोलं
लोआवतो तेलोहनोखेरीकोटनाकां तेलाषनोगोलोजंबूसांघट्टोआ तिवारइंविशेषथकीवे जिहां धर्माचार्यछे थको गरानाम वीपड्यो राग्यपनोपड्योफेर
आगच्छमाणे पयारक विसीससाया जं उग्गोलं जंबू संघट्टेण दिट्ठे तओ विसेस वेरग्गं जाए जेणेव धम्मायरिए
तिहांआवइं यावत् श्रावकथयो एवइं जिहांमातापितानोघरछे तिहांआवइं मातापितानेपगेपडी
तेणेव उवागच्छइ जाव समणोवासए जाए पच्छा जेणेव अम्मापिउणो तेणेव उवागच्छइ मायापियपायंवं
इमकहइं हेमातापितातुम्हारी आज्ञाथकी हुंसंयमलेइविचरूं तिवारेजिनपेथक इहांएतलो इमबो थको पारतिम विशेष लोपित
इ एवं वयासी अम्मापियउन्हे अम्मणनाए अहं संजमेणं विहरामि तएणं जाव जंबू णं वरपिया एवं वया
हेउत्रजंबू तेएहस्थधर्मजासाधुनैसंजोगइं तेधर्मीजेउत्र मातापितानीसुश्रूषासेवाकरेतेधन्य एवइंमाता
सी उत्ता जं बूसे एते गिहीधम्मे सुसाउ संजोगी सधम्मी जे उत्ता अम्मापियस्स सुसं वीरइ ते धन्ना पच्छा अम्मा 7

इम बोली देवानुप्रियाहरी माता हे जंबू माता नो मन अनुकार रसइ करी नीपनोछइ तेकहइ अमृत सहित चंदन चेदन दाष
१ २ ३ ४ ५
एवं वयासी उत्ता अहं तव अम्मा जंबू अम्मा नरेण विहिरसे निषन्ने संजमा अमियमधुरचंदण चंद दरक्ख।
सर्करा एहीरसनी सिषइ माता नो मन नीपनो तेहनी माता पिताना स्नेह ढंढोलता पाणीग्रहणविवाह कर पछइं
मिश्राइ करी कहइ
सक्कराए रसेविहिए मातमणे निष्पाइए तम्मा अम्मापियरस णेहं पाणिग्गहणं करेह पच्छा सं
संयम आदर तिवारइं जं बोलो मी रहइ मातापिता विवाहनो सकक्करी तिवारे कन्या मातापिता
नकीधी
जमं गिण्हेह तयाणं जंबू उसिणीए संविरइ अम्मापिए विवाह सकज्जइ तयाणं कन्नवालिया अम्मापि
हवा बोलइ अहे जंबू ने कन्या न देस्यां जेकारण सली जंबू संयम लेवै तो परइं कन्यासुं
ए एवं वयासी अम्हेणं जंबू णं कन्नानदाइस्साइ जेणं कारणेणं जंबू संजमं गिण्हइ पच्छा कन्ना वि
करइ तेहनी अम्हे कन्या न दिवारइं ते कन्या इम कहइं आजन्मताइं जंबू बिना अम्हे आठे वल्लभा
देस्यं
कीरइ तेणहेणं न याइस्सइ तयाणं ते कन्ना एवं वयासी आजम्म कालेजंबू विणा अम्हे अट्ठ वंनया
रणी अम्हे पिणसाथे संयमलेस्यां ते कन्या ना माता पिताइं ते उत्तीना वचनसां अतिमोटे आनंद आठ कन्या
रही सीनइ
रिणी अम्हे सद्धिं संजमं गिण्हइस्सइ तेकन्नाइ अम्मापिए तेसी वयणं सुच्चा अईव अनंदे अट्ठकन
जंबू ने परणावे एकएक कन्याने पिता नवनव कोडि सोनइ इमइ क्यासी को बली अलंकारइं कोडि कप्पनइ
आपे वड नसी नइया सोनई या पणे सोना रसेवद्दीस
गं जंबू पाणि गिण्हावेइ एग एग कन्ना पिया नवनव कोडि सुवण्णं पणासी अलंकार सकोडी सुवण्णं उसन्नद

इमविवाह वे कोडि सोनइया इयमूकोवली तेधनस आठ नारी जिहां जंबू नो घ तिहां आवइं आवी नइं
दीक्षनव जणाइं हित लेइ रहइ
तेणं एवं नवनवइं कोडि सुवण्ण दत्थं गयइ सेय एसद्धिं अट्ठनारिया जेणेव जंबू गिहे तेणेव उवागच्छइ।
वचनविरे आठ अंतेवरी इम जंबू आठ अंतेउरी वरे इम कहइं हे स्त्री ए संसार असार अथिरछइ जिम
परदिश अट्ठ अंतेउरि ते चिंहइ जंबू अट्ठ अंतेउरी पयं एवं वयासी तो वच्छदा संसार असार अथिरं जहा
संध्याने समे कोइ कुरक तिहां धणं पंखी एकठा मिले प्रभाते दिशो दिशें जाय तिमए सर्व संसार मांहि सजन
संझासमए कोविरुक्खे बहुविहंगमा एगठामिलंति विभाए दिसोदिसं जंति तहा एए सब्ब संसारसयण
आपआपणे कर्म सर्व इहां एकठा सजन मिल्या छइं आउखो आपणो पूरइं परलोके सर्व जन दिसोदिस जाय तिवारे ते अंते
मइं मनाणइ जीणइं उरीसो
नियकम्मे सव्व इहएगं सयणं मिलिया साउए खंजेइ पच्छा परलोए सव्वे दिसो दिसं जंति तएणं अंतेउरि
इम कहइ हे स्वामी तिविन स्वामी संसारकारणे देखोपडो जीवन सरीषइ संजोगे जोसो गन्हीयो तेयवि
हुत गवइं
एवं वयासी हे नाह तुब्भण्णे सामी संसारकारणे पडिरविया जीव सरिसए संजोए मसोगं भुंजइ तेए
बली भरथी नो नव किम नलहिस्यइं तेहनी दे पिउ अम्हारा सरीर नो सोग सो एहे सगणी समय संयमदीक्षा लेजो
गवो
आउलमणफयन वेकिं दंलहिस्सइ तम्हा पियाअम्हो सरीरं सोगं भुंजह एहा जसमए संजमं गिण्हिस्सइ
पाछेपाछे इमचोलतां तीयकोर रहेछइ तिणिकाले तेणें राजगृह नगर नई पासइं सेना चोरपल्लीछइ तिहां एकवार नाम चोर वसइंछइ
समय
अन्नो संएवंसं जवयाणी विहरइ तेणंकालेणं नयरायगिहे सेणावीरपल्ली मज्झं एकवीरा नामं तेणे परिवस

चोरीविसननइं विषे तेवि जे कावोमांसनो भ्रदिरा वेश्या दासी विधवानइंनेविषे पंचेंद्रीयजीवनो मारण चोरना
समर्थ छइ हार पान रे गमनकरइं हारपसातव्यसन जेहनी
इ कविसणसमत्थे संकाह ह्यमंसाहारी सुरापाणं वेसादासीविधवागमणं पंचेंदियसंहारणं तेणलक्ख
करिसहित परस्त्रीनोसे एसातव्यसननेविषे कुशल एहवो चिलातनामा चोर पंचसयचोरनइं अधर्मनो अधर्मकइव
नछइ वलहार कसलछइ परिवारेपरवस्यो वलीकिहवोछइं करणहार जेहनेजेहना
णसहिए परत्थीगमणं एससत्तविसणकसले एसवनामंतेणपंचसयापरिवारिए अहम्मी अहम्मिट्ठे ए
पापनी पापनीदृष्टि अनेरानोधनलेवानइं सूर जे एहवचोर राजगृहनगर पहिलापहरनी वेलाए घाडे पछइंड
करण छिजेहनी समर्थछइं वीर नइंजयकरी नाखारणो
वीं पावदिट्ठी परलच्छीगहणसमत्थे सूरेजेणंपल्ला रायगिहे धारे घटमज्जावबेलाए अग्घइ अपराण
पहिलेपहरनेसमेजोकी तेहचव एकदा पंचसयस वीनइं इमकहइ आवोया सर्वमाहरइ आग
दहइं चोर नटबोला तो साथे
पडिमज्जामसमए देइ तेणंपल्ले अणयापंचसया सद्धाविया एवंवयासी आगच्छ सवेममसद्धि अ
राजगृहनगरेहीजपइसं आजकहकद्रनई जं सूविवाहनेसमय निवृणवु कोडसोनई घरेआवोवइं
वनोउत जालेइ तेचली
जरायगिहेपविस्सामि अकाउसन्नउत्तं जं सूपाणिगहणसमए नवनवइ कोडिसुवण्णगिहमाणयाव
वालो आज तेधनलावइं इसकासोमाइवोले तिवारइंपल्लवआदरेइ सन्नद्धबद्धवर्ईसन्नाह छेतुच
पंचसयचोर पहस्यासमूसहित बोल
जेह अजातेधणं गिण्हिसामो एवंअज्झत्थं संपेहेंति तएणंपल्लेवाइ पंचसया सन्नद्धबद्धसत्था सधण
साथफास सालावर जिहां राजगृहनगर तिहांआवे आवीनइं तालोद्घाटनीविद्यानेजोगइं तालाउघाडे
हित जीसहित नाकारणोंछे
या सवज्झाण सकंसा जेणेवरायगिहेवारे तेणेवउवागच्छइ ता तालोग्घाडणविज्जाजोए तालाउग्घा

6

पंडिआवइं पछइंवारणोजोके त्रीछ उरत तपलउ जिहां जं सूनोघ तिहांआवइंआवीनइं तिहाइंकरीताली
तावला रछइं
गइ सज्जेमागया पछादारंपेहेइ सिग्घं उरियं चवलं जेणेवजंबूगिहे तेणेवउवागच्छइ ता विज्जाएतालउ
उघाडइं तिवारइंपल्लव जंबूनाघरमांहेस्त्रीयां जंबूजागताहे इंदेखीनइं पलवचोरअवस्वापनीनिद्रादेइ एकजंबू
चोर अनइं
ग्घाडेइ तएणंपल्लवे जंबूगिहे सामिया जंबू सविइंपासइ ता पलवे अवस्सोवणिंदलइ ता णं जंबू
विनासर्वजननइं नींद आवी तिवारइं तेपल्लव पंचसयचोरसंघातइ जंबूनाघरमांहि तेघरमांहेघरनी जाली
दृष्टी
विणासबजणनिद्दापयाया तएणंपल्लवे तेणेवपंचसयासद्धिं जंबूगिहेपविठा तंगिहमज्झेगेहेजाल
आला गउख कोठारनाघरघरमांहि घरतीमांहे मंजूस पेड़ पिटारी करंडिया तिहां घाटीनाभाजन
घर चूंदरा
इ गालइगवक्खे कोठारघरपडिघर भूमिघर मंजूसए पेडए पिटारिए करंडे गवालिपुद्धवीसाय
तांबानाभाज काष्टनाभाज जेजिहांवस्त्र सोनानोरत्नपात्र मोतीरत्न रूपिया अणघणो तेतिहांसर्व
न न सोनो
णे तंबभायणे कट्ठभायणे जेजेहिं वत्थं सावण्णरयणभायणमुत्तावलिरयणं विडमहरिहं तेतहिंसव्व
एकठाकरे लेवानइं पोटबांधइं तिवारेतेजंबूनाम श्रावकनइं पहवोअध्यवसायहि जं हजातकाळइं
थइं नाहूवकपनो
एगठे मेलइ गहणठाए पोट्टयं बंधइ तएणंसेजंबूणामंसमणोवासए एवंअज्झत्थिए अहंविणायका
सर्वधनादि संयमचारित्रलेइविचरसुं पिणतोकुमाहेडीलनाथासी नलेकेइमध्यमपुरुषइमकहसी धनग
कळंजी यो
ले सव्वंचयइ संजमेणंविहरिस्सामि पुणजोममज्झेहीलस्सइ कोविमज्झिमपुरिसानसिस्सइ धणं

पवैतनपसरिस संकरइं तेनली संयम एडां वृलेदेवे पिणमइ एयंवृसयचोरसमकाले पदघापद्धन

एतडंपमाअनमडरिसा किं कीरइ तेणडेणं संजमं एसणिज्जेइ जणसयाणस पंचसयासमकालं गिण्हाइं

एडवोलितवी इमवोत्यो नमोत्थुदिइं माल पदनइंयजावे पचसयपनवसाद तेवीरयंस्या किमत्रिणा

एवं अज्जवियापएवं समालो एगोवरिसिंपालं एणपणावे पंचसयापनवाइया तेणयंनिया डाहासिल

धं नोइतितेया डेडिडतेतिद्धिं टगमनं सर्वमादोमांदेदे तिवारइं पनव इमवितवइ शविग्रानली पनुष्यत्ति

थंनातहा डेडहिं तेतहिं टगमनंसवृं विलोइया नयाणं पनवे एवं अज्जवियाए एसाविडारणा नरति

या लीराइइ एइदी केणइ मनुष्य इमाइरीसवस्लापनीनिडानमेदी इमदिग्नावलोकनक डेवृनइं पलं ककपरवतो

रियथं सियोली केणवीनरेणमनं अवसोवणियनभिन्ना दिगाविलोयणाए डंवूपडां केडियापास

दरशी लिखंकवृवैतिदां आवइंस्मातीनइं कांदइ इमवोत्यो देडंवृसंधन् डंमनुनेवद्रोकरी देकल

इदका केवेयडंवृलेवेवावाणइ एगा वंदइ एवंवयासी धणएडंवूडेणमंतवलेथंसिया डंवृ

डंडकनइं वे विद्या देशं संवृडनेपकुलंनमती विद्या देहि तिवारइं डंवृ पनवनइ इमककइ

अहंत मंडवे विडा दायइ अमंममंणाथंसणी विडादहाहि नएणं डंवूनापनवेण एवंवयासी प

देसपनवचोरपाहरइं विद्या नोनथि सर्वविद्यात्तउ विद्या एकधर्मविना तेनली डंबूनातनइं समइं एसर्वधन

नवापनविडाएनत्थिकोमए सद्देविडा अविडा एगाधम्मविडा नमाअइंविसायसमए इयसद्धं

धमम॰ णु॰

अनैतरकीनीनै संयमतोस्उं इनजोचोरक देडंवृवरिध धनएनवयोवना सरीणी थाद एस्त्रीय कीर्इ

ए अनैतरंविडासंडमंगिण्हामि इनबोवइ डंवूएसाकहि धणएसानवडोवणसरिसया डावनोऽ

डीन एहवापुरुषइ किसानली मूंकेवेनूं बलिइएसइ किमपामसी डंनादरोसेवक थाईस तेनली

नाएसइ वक्कखुद्दं केणदेणं अविस्सइ जणएससुहं पाविस्सइ अहंतवसेवयंसविस्सामि नम्हाए

एसुखनोगवइं लिवारइं डंवूपनव इमकदइं देसनवचोरएसख इणडीवदेवता ना सुख नोगव्या

ससदं विलसेइ सपपंडंवूपनवेणं एवंवयासी पसवाएससदं किं एणडीवेणदेवसुइं अणपत्तवि

नानाप्रकारनाकामनोगविलस्या देसनव चोर एडीवसुखथीटमनथयो इमडराइनर

ना विविदे कामनोगे विलसिए नसवा एडीवेसहे नोतप्पियाजाया नयाअवंनिमनइ डम्मडराप

णदेषईनही किमविशावइथदेषइं पिण लाकमीनदेषइ तिमडीवआधादिनोगसोगव पिणपरलोक

रणं नोपिछइ डहाविडाणेपयंपासइ जणडविद्यानोपासइ नहाडीवेसोगसोगंपिछइ जणपरनोयं

नदेषइं किमपकविंजयोपुरुष तिवारइंपनव इमककइ देडंवृतेकणमक्कविंडकपुरिस तिवारइं डं

नोपिछइ डहामकविंडणपुरिसे नएणंपनवो एवंवयासी डंवूतेकणमक्कविंडएपुरिसे नएणंडंवू

इमककइं देसनवकोइपुरुष मोटोसार्थवाह एकदाकोइ सार्थवाहसंधाते अनैराइडानै विदेशानै

एवंवयासी पसवाकोविपुरिसे महासथ्थोबाहइ अण्णयाकोवि सत्थवाहसद्धिं अणेडाणवयनिगाए

तेऊरुषएकदासाथथकीमूहडाये   मार्गमूकी   किहांइपंथनलाभे   तेआइसमय   मोटोहाथी   तेऊरुषनैदणवा

तेऊरिसेअन्नयाप्रणासत्थलभासहा पंथब्भट्टा किंइयइंनजासइ तेणंसमएणं मत्तमातंगे तेऊरिसेदणए

वास   सांमोदोमतोएहवोदेखी   तिवारइंतेऊरिसजाणी   तयजीतथयोमार्गमांहे एकमोटोरूखदेखइं   सयमइंव
ते   नाठो

हाए संभ्रमवेसा समाणंपासइ तयाणंतेऊरिसेएगंडे सयसीअेएवडमज्झे पलंबमाणरूखंपासइ तयवसिय
सइ

तेऊरुषएकरुखमांहेय   तिवारेंरूखमांहे वडनीसाषाइंविडा एकेएकलीदेवइ   रूखमांहे   एकमोटोअजगर
यवो   तोलागो   कोवेतो

तेऊरिसरूखंपविठ्ठा तयाणंरुवमज्झेवडवल्लीविलग्गा अहेविलोयइ रूखमज्झंते एगंमहाअजगरंमूहं

सुषफाडयं थकांदेखइं   वलीतेरूखमांहे चारेंखूणे   च्यारमहाविषनाधर   पवंडसरीर   एहवासर्पदे   जिवारइं

विअसियमाणेपासइ तस्सरूखेचत्तारिखूणे चत्तारिमहाविसमएपयंडंसरीरंएगंपासइ जयाणं
उद्दार   घइं

ऊंचोजोवइं   तिवारइंतेवडनीशा   मूले बेउंदरश्याषाक   तिवारइंतेहाथीक्रोधवंत   वडनीशाषाचांडवा
कापनइं   रटहइं   बसइं

उवरिंविलोयइ तयाणंसेवडवल्ली मूलेदोमूसाकोरइ तयाणंतेगयंदरोसडोए निगोदसाहासंजोए

लइ हलोलइं   तिवारइंतेशाषाने   मधुश्याल   मधुसहिततेलेन   तेमधुमाखी   तिहांउरषनोशरीर नी
धूणइ   सोबइं

हाएश्रोलइ तयाणंतेसाहाए मधुआलए मधुपूरिए अथिसेमधुयमच्छि तस्सऊरिससरीरे ति   १०

वलगंकइकाटइं   रोमरोमलागइ   हाथसाषाथीछोडसकै   माथीसरीरथीउडायसकै   तेलेसमइ   तेमधु

रखणंकंतसइ रोमरविलग्गइ हत्थवल्लीविरुसाहेमि मच्छीसरीरेणनोउडापइ तेणंसमएणं तेमधु
नदी   नदी

मधुका   सहितनोबिंदुकरइं   तेऊरुषनामुषमांहेबिंदु   डोभेकरीआस्वा   महास्वादजाणवइ   देवलरतेणेसमय
ल   पडइं   दइंवादइं   वेवइ

मंतवे मधुबिंदुयंगलइसे ऊरिसमूहे बिंदुयंपडइ डोहेआसायइ महासवायंवेयइ एणवातेणंसमएणं

कोइविद्याधर   विमानवैठो   तिहांयात्राअर्थइं   आकासैचालतो   तेविद्याधरनीनार्योइं   तेरूखमांहेऊरु

कोविविज्जाहरे विमाणठिया तत्थजत्तराणं आयासेचलमाणे तेविज्जाहरसारिथाएतेरूखऊरिसे
षसंकटस   दयाइंकाढि आप   इसबोली   देषणवत्त   विमानउपरांथी   एरूपऊरुषनइकाढो   तेविद्या
हितदेवइ   णपतिनइं   न

कंपेपासइ करुणनयइपयं एवंवयासी पाणवल्लह विमाणंथिंगवइ एसंरूखऊरिसेनियासइ सेवि

धर   तेऊरुषनइदेखी   तेविद्याधरस्त्रीनइंएम कहइ   देस्री   एरूपऊरुष   नीकलेनहीं   मधुबिंदु
काढइ

जाहरेसेऊरिसेपासइ सेविज्जाहरे इत्थिएणं एवंवयासी वहुद्दाएस रूखऊरिसेननिस्सरइ मधुबिंदु

नोलो   तेजलीनहीनीसरइं   तिवारइंस्त्रीइमकहे   देस्वामीएसंकटकष्टनोस्थानककइं   हाथीवनमां   याव
नीकइं   साषाद्दवाले   न

विलुद्दे तेणंतेननिस्सरिस्सइ तएणंइत्थीएवंवयासी सामीएसंकडंठाणं गयंदेसाहाहवोलइ आवय

मांथीनक   पडखमाहे देसामी   स्त्रीमधुबिंदुवानो   एऊरुषनइका   तेवचनसांभ   विलाककायमाहेउ   तेतीरूखा
देवइबे   सुषवइ   हो   लीनइं   रुषवइ

छीलरूकइ एसडइमज्झेसामी किंमधुबिंदुमुहे एयंनियासइ तेवयणंसुवा डीणेरूखऊरिसेतेणवरू

नइंकांबइं विमानराथी   विद्याधर   इमकहइ   देडधीऊरिस   मादरीसोहपकन   एविमानबैठवैठ   तिवारे
नइ

वकंठेविमाणेठिज्जा विज्जाहरेएवंवयासी लोडहिऊरिसापमवाइंविलग्गइ एसविमाणंचिठइ तएणं

तेभकबइरकरइ एककहिणमाहवितेव एमधकनीबिड गुणधारिय पडइ आवसुं सामीतिमधवड आसा
कर नइभइ दइ
तेभरिसेएवंवयासी एगरूवंविलेवइ एसमक्कविडअंसुदंपमइ पक्काअवागच्छइ सामीसेविडयंआयइ
वलेविद्याधर बीजाबारनीजी इमबारइबीजा विलतेभकवहिणएकविवितेवा तेहमव तिहांएइवइसकटमेत्तुल
बार बइ वइ हवाजइ
गुणविज्जाहरे एवंपि एवंपि बारसमहावेइ सेभरिसेएवंएवविलेवावेइ एसव तयणंसंकामंसुदंसणे
तथानहीपिएल तिवारइ इमबोल्यो तिहां रेजंबूभभटकोइ अनइकायरकोइति एइवइसंकटमांहेकोइ
भाजइ पूनव धीनरइइ पूर्वअज्ञानीरइइ
गच्छइ वानपणइइ एससेएवंवयासी तयणंजंबूसुदंसं किंचकीवंतयवि छड्ड एससंकमे कोवि
अतिदाणुहरइइ तेहवार एणइहांनइंससारी जेकांते अटवीतेसंसार छत्तेजीव जाथीतेमरण
रूजीव
देजेणतयविछड्ड एसधा एतवसंसारजीवे वियाणिया संसारअटवीजीव भरिसजीवे गयंदमरणे स
रूवीतेजन्म अजगरतेन सर्पव्याहते जेधमानमाया बकनीआघातेआणबो छंदराहंतेदोयपक्ष
वतारजनमलेवी गर जीव के अनइकाल
वडमावयारे अजगरनारे सप्पवन्नारिकोहमाणमाया लोहावटवन्नीआवयं मूसादोपक्खेसियस
माथीनानंरूतेआधिव्या मधनाबिंडवासरीवेविषयसुख विद्याधरतेसाधु गुरु विमाणतेप्रवचनसिद्धांतना पद
धिरोग अर्थइं
नहंनंवआहिवाहि मक्कबिंदुसरिसे विसयसुहं विज्जाहरसाहुगुरु विमाणपवयणअत्थे एरिसे १२
वइजो सुं नीसरीजइं प्रन्नव कहइ नीसरीजइ जंबूकहइ तेनलीजं मधबिंदवासरीवे विषइसुख
गइ
जीए कहंनिसरीयइ [illegible] निस्सरियइ जंबूवयइ तम्हाअहंमहुबिंदुवंसमाणंविसयसुहं

वांनीने संयमलेवि[illegible] जीवदयासरीखोकोइ [illegible]नपरोतकोइ सावसमानपवित्रपणो शीलसमानकोइमन
रखुं धरमनथी [illegible] नहो सूत्रणनथी
वयइ संजमंविहराभि अहिंसासमंनत्थि संतोससमंसुहंनत्थि सच्चसमंसोयंनत्थि सीलसमंमनंनत्थि
एसाम[illegible] प्रभवनइरुचइं किमवूकनइस्वर्गनरूचइ किमदीधानेपरण किमचोरनेमथोत किपणनइदालार
नही बानली नरूचइ
एसवयणंपसंतोसयइ जहा अणंदिणयरं जहादीवपयंगं जहातेणजोयं किवणदायारं अ
कड नैमाबापतानावचन तिमहंजूनारवचनजूचवनइ जंबूनाइशोतनइंलिपइपदि १ वलीपमवबोर [illegible]
लीरूचइ नरुचइं लोजहूसीपूछेथयो
ध तअम्मापियवयणं तहाजंबूवयणंनरुयइ जंबूदिहंतेपढमोउद्देसो १ पुणरविपभवोएवंवयासी
देजंबूमातापितानाइबंध कलत्र मित्रस्वजनसंबंधी परिवार योवनवयमांहेछोडइं तिवारइजंबूकहइ
स्त्री मन इइ
जंबूअम्मापियाबंधवा कलत्तमित्तसयणसंबंधिपरिजणं जोव्वणरंसमाछुंडइ जंबूएवंवयासी एस
देस्नवएसर्वजनलोक सगाइंकर्मनइ सगामित्रपणइं एजीवनोकोइछेनही एकधर्मविना आपणोहित
जोगइ
वाएयसव्वजणाए सव्वयकज्जोए सव्वमित्तियाएसजीवेकोवि कस्सनत्थि एगधम्मविणा अप्पहियं।
कारी देवरव कायमाश्री भ्रत मित्र बांधव नवइनइंलिपइं एकधर्मकहेल देवस एकमवमांहेआधारइ
नही रूइ छेजीवनइपामनो व
नत्थि एसवा वाणेमसारियाभत्तामित्ता बंधवा देवत्तेअत्थिएगधम्मंजेजहा एसवावयंनवेअहारसण १४
मातरायथा [illegible] तेअहारेमातरामा इहांत पुरुनइंकहो [illegible] यद जंबूदीपनामा
दीपमइंविषइ
यरे नविता [illegible] सेअहारसणयारे दिठंतमसंचयइ [illegible]एवंवयासी [illegible]

12.

सारदेवासे मज्झराणामंनयरीहोत्था तत्थमज्झराए कुबेरसेणा नामं गणिया परिवसइ सुरूवा अणनिउ

णा चउसट्ठिमहिलागुणजुत्तिया गोरंगी घरनरमणेहिं एगनवणसमत्था परथणपक्खरकाइएसमत्था

अन्नयाकयाइसा उंनायावि ठिहरइ मायाकरइ नो तेणंकुबेरसेणाए अन्नया जायसंपसविया दारगं

दारियं सेजुयलेणसंकियमुद्दाए तेजुयलं अंकिया; कुबेरदत्ते कुबेरदत्ताए हत्ते परिवेढि

या पेइमंजूसंठविया सामंजूसा नईपवाहे मुक्का तेणंमंजूसा अणुक्कमेण जेणेवसोरीपुरे नयरे तेणेव

उवागया तएणंसोरीपुरवासी दोववहारिया तेणंसामंजूसा गहिया एगंतविहाणेइ जेणगिहे उवन्नअ १५

त्थि उगउवन्नत्थी तेणेवहिंववहारगेउवलीगहिया जेणगिहेउवलीउणउन्नंनत्थि तेणेवहिंववहारगेउवल

हिए उद्धणमुद्दालंकिया तस्सणामेणवियवड्ढइ कमेणजुव्वणंजंकिया सरिसया सेठवे अणोनंपाणिग्गह

विया मुहंमुहेणंविलसमाणे अन्नयापयाविया सारिसीलमाणे अणोनंपुडियपासइ नियाणमलंकिया त

याणं तेदुवेसंकिया कंखिया अणोनं अन्नायियं उत्ता जमाणमंजूसलन्नासवृत्तं निवेइयं अणोनं नाइ नाइ

णी बियाणिया कुबेरदत्तो अईववेरग्ग [illegible] वज्जेइ छमंदसमजवालस तवं आरंदेइ अणया

सुक्कजाणे हाडीवेमहापावकम्मकारी बंधवाजड्डणी दिनसिया घयपावंकडं बुट्टिस्सइ एवं सुक्कलेस

ए जोहिणाणसमुप्पन्ना [illegible] बंधवहरियं विलोयइ तंसेकुबेरदत्ते ववहारकाए मज्झराए पत्तो कम

जोएविसयविकारवसिए कुबेरसेणा वेसासंवासदिन [illegible] तेकुबेरदत्ते कुबेरसेणाए सद्धिं विलासम 13

एकउत्पन्नी तेदेवीनइ कुबेरदत्ता साध्वी माहीधूणइ क्षायिकविषयनइं विषइजेहीव कार्यअकार्यकरतीन जाणइ

णा एगेणं तेए सद्धिं याविहोत्था कुबेरदत्ता साहुणीसीसंधरोवेइ खाइयविसयंजेणजीवे कज्जं अकज्जं न वेय

एहीवधन आकाशेसीविषयनइ इनमाणे विवहाररासीजीवडि कुबेरदत्ता जाणतां थकां प्रातास एहवो स्थानक नरही

इ एसजीवे धणेअत्थी समएन तपत्तिय ववहाररासीजह्विं तए तेनात्थि कुबेरदत्ता आयाणमाणे माया

थेनी नवी वैवइ एकरथयी तीकुशलि बोधवानइं अर्थी तिहां डाइ एहवो विंनवी धरणीनी आणावेइ

सद्धिं सोगं कुणइ उतं एस विया अदंएवि बोहणीया तत्थगआवि एवं ... धरणी आणए सा

साध्वी कुबेरदत्ता मथुरा आवी जिहां कुबेरसेनानी घरकइ तिहां आवी आवीनइ वेश्या कुबेरसेनाप्रतइ साध्वी इमइ

जणी महुराए समागया जेणेव कुबेरसेणागिह तेणेव उवागइ उत्ता वेसा कुबेरसेणं साजणी एवं वव

वइ हे कुबेरसेना उतरनइं स्थानक देहि तिवारइ वेश्याइ मकरइ एणा काजै ... अम्हारा बालक रोवइ

यासी कुबेरसेणमम्मं उवस्सयं दाबेह तयाणं वेसाए वं वयासी एसा तावविहइ उमंएस मम्मं पोयं रोय

तिवारइ एणइ पालणो हलावजो साध्वी कहइ ... तिवारइ ते साध्वी तिहां रही तेहना मांहे पंचथ रहीमांहे घर छइ

इ तयाणं एस पालणं दुरोजेइ साजणी वयइ ... तयाणं ते साजणी तत्थट्ठिया तेसालापमज्झाइ २३

तिहां कुबेरसेनासाथे कुबेरदत्त विविधप्रकारना भोग भोगवता थका विचरइ छै तेणइ समइ पालणामांहे बालक रोवइ

घरए कुबेरसेणासद्धिं कुबेरदत्त विविहं कामभोगं भुंजमाणे विहरइ तेणं कालं एणं पालणं पोयं रोयइ

वरनां देरडीयडकीवे ... करइ ते साध्वी बालकनी पालणो हलाबी तिवारइ ते साध्वी बीजइ वयनइं करइ हालरी गावइ तेनिमित्त

मज्झत्था वेसा वयइ साजणी पोयं जरइ चोजेइ तयाणं ते साजणी वयणेणं हालरुवं गायइ ... बाल श्रीप्रज्ञा४

हे बालक मत रोय तारी मावडी एक मावइ तेहनी मावडी ताइ भत रीय १ मावडीनो भरतार कुबेरदत्त तेहनो तुं छइ तेहनी मावड

पोरोयइ उमंममंएणमाया तेण उमंबंधव मारोयइ १ ममंबलइ कुबेरदत्त तस्स उमं उत्ते तेण ममउत्ते

रोइ हू लइ मत २ मावडीनो भरतार कुबेरदत्त तेहनो तुं छाइ तेहनी मावडीडे वरभाइ मत रोवइ ३ मावडी भाइ तेह हू छइ तरीय

मारोयइ ३ ममंपाण वलइं कुबेरदत्त तस्स उमंबंधव तेण ममउमं देउरं मारोयइ ४ ममंबंधव तस्सउमं

तेहनी कलाइ मत रोवइ ४ मावडी मातानो पति तेहनो तुं छाइ तेहनो तुं मावडीनो दियर छइ तेहनो मत रोवइ ५ मावडी सवक

उत तेण ममं नत्तीज मारोयइ ५ ममं मायइ तस्स उमं बंधव तेणउमं मम पित्तीय मारोयइ ६ मम सवक

नेउत्र तेहनो उत्र छइ तेहनी मावडीनो भरतार नरीलागइ मत रोवइ ६ एहवा मातरा साध्वीइं हालरुवा ... तिवारइ

उत्तस्स तस्स उमंउत्त तेण उमं ममंपो यउमारोयइ ... एवं वेसा जणी ... कहा साजणी ... ३.

एवइ साध्वी नाइ कुबेरदत्त साथे ... कहइ ते कहा अहो कुबेरदत्त सांभल तारी मावडी एक मातानइ तेहनी

साजणी बंधव कुबेरदत्त सद्धिं ... संजाहा इंनो कुबेरदत्त सुणेइ उमंममंएणमायातेणउमं

भाइ आणइ सांभल १ मावडी माता तेहनो तुं पति छइ तेहनी तुं भाइ पिता २ पिता पिता तेहनो तुं पिता तेहनी तुं मावडी तेहनो जाणइ

धवं सुणेइ २ ममं अम्मातस्स उमं पइ तेण ममं पिया सुणेइ ३ पिता तस्स उमं पिया तेण उमं ममं पिहू पिया 14

सांभल ३ तइ ... परलीपाली तेणलीइं माहरी प्राणवल्लभपति लाधइ ६ माहरी सवकइ तेहनीइं ... तेणलीइं माहरी
हणवकीधी सांभली
सुणेह अभंमं मणलिं गिण्हइ तेण अभंमं माणं पाणवल्लहं सुणेह ४ मभंसवक तस्स अभंमंभंइ तेण अभंमं मंभंइ
... माहरी देवरतेहनीं प्रिया तेणलीइं माहरी सुसरो लाधइ ... साधवीइ कुबेरसेनाइ कह्या
इ सुण
सुणेह ५ मम देवरं तस्स पिया तेण अभंमं मंभंसुसरो सुणेह ६ एव ... साडणी कुबेरसेनाए सा सिया।
... माता कुबेरसेनांध्याने अनातरा कहइ ... हे माता कुबेरसेना ... तेह ...
... साडणी अम्मा कुबेरसेणा एवं ... अम्मा कुबेरसेणा सुणेह अभंमं अद्दं पसवि
तेणलीइं माहरी माता लाधइ ... माहरो पिता तेहनी ... तेणलीइं माहरी ... २ माहरो भाइ तेहनी भार्या
या तेण अभंमं मंभंमायासुणेह १ मभंपिया तस्स अभंमंभाया तेण मभं ... माया सुणेह २ मभंभंधवस्स अभंमंभा
तेणलीइं माहरी भोजाइ लाधइ ३ सवकनाभरतारनीइं ... तेणलीइं माहरे ... ४ माहरो नणदीरतेहनी
रिया तेण मभं भोजाइ सुणेह ३ मम सवक अभंतस्स अभंमं ... तेण अभंमं मंभं ... सुणेह ४ ममं भत्तार तस्स अ
भंमाता तेणलीइं माहरइ सासू लाधइ ५ माहरो भर्तार तेहनीइं भार्या तेणलीइं माहरइ सवक लाधी ६ एहवा ताराग साधवी
सुण सुण
मंमाया तेण अभंमं मंसासू सुणेह ५ मभंभत्तार तस्स अभंमंभारिया तेण अभंमं मम सवक सुणेह ६ एवं ... रास
ही कुबेरसेना ... कह्या ... सूचित ... कुबेरसेनाइ ... साडणी ...
डणी कुबेरसेणा एइं सासिया इं एवं अठारस ... कुबेरसेण एक्कवा ... सुर ... ॥ १६ ॥

... साधवी ... असत्य ... साधवी ... साधक ...
या एवं ... साडणीए ... असब्भं ... एस किं साडणी ... सा ... असत्य
... साधवी ... कुबेरसेना साधवी असत्य
सद्दं अड ... एस साडणी ... साडणी एवं ... कुबेरसेण साडणी असद्द
... कुबेरसेना ... साधवी ... कुबेरसेना ... कुबेर ... दत्त
न वयइ ... कुबेरसेणा ... साडणी ... कुबेरसेण कुबेरदत्त ...
... धर्म ... धर्म ... संयम ...
...
सा इ ... वेयइ ... संजमं ... गिण्हइ ... कम्म ... किच्चा
देवलोक ... संसार ... कहु ... सर्व ...
देवलोए ... कम्म ... एस ...
करइ जीव कायर ... परलोक ... जीव संसार ...
... करइ जीवाणं कायराणं इहलोए ... परलोय ... तेजीवे संसार ... जिणवयणं
ते जाति ... जीव ... तेणली धर्म ... परलोक ...
नथी नथी
तं जाइ जीणी ... नरगं ... जीवे ... तम्हा एसधम्मसरणं करिस्सइ ...

द्वितीयोद्देशकः २ बली जलव दक्कइइ देडांकुपणसंसारनइ स्त्रीनवयौवनवंती साथिजेनहीआलि नेहनोज
विघइ गनकरइ नाति

डेलेवीउद्देसो २ उनरविपन्नो एवंवयासी जंबूए संसारेसुंदरीनवजुव्वणसहिन अलिगइ तस्सकाम
रसीक जाणवो बलेमाहरइ घरे छत्रविना एहवीछि किहांजासी देडांकुपरांणमांहे एहवोबचनकइ

निरत्थयं वियाणइ उणनवगिहे छत्तं विणा परिसी सरिछि कहिं जासस्सइ जंबूऊराणेणपरिसंवय अस्थि
तेकेह घरसूंनो छत्रविना दिशाएनीकइजाइविना धनविनासूनीदिसो दलिद्रीनोसर्वसूनो तेजाणी
वो

तंजहा गिहसुवन्नंछत्तंविणा दिसिसुन्नबंधवंविणा अत्थं विणसुन्नं दिइयं दरिद्देण सव्वं सुन्नं तेणं व
माहरीभार्या एकछत्रकावइ एहीनेछत्रनइ घरनीभारथापीनइ एवइ सयमहोइविहरजे बलेछराणमांहे एहवोव

चभिरयाण एगछत्तं नवइ एग्गातस्सउत्तस्सगिहनारं ठाविता एगासंजमेणं विहरइ उणछराणेणपरिसंवय
चनकइ छत्रविनाफलनथि नारीनामपि तेजाणीउत्तमोछव एवइतेधर्मसमाच तेजाणीदेजंबूघरमाहे
लगही देहीनइ र रहो

णं अत्थि छत्तं विणा रायं नत्थि सुरायं नत्थि सरूउत्तमुहं दिहा एगा धम्मं समायरे नहाजंबू गिहं विहह नय
निवारइ जबू देवन उत्तरकगलिमहतामनधर एसुधम्मं जलीवइ तीएइविणस्वर्गपामसी बलेइ करमक
करइ व वेवी इइ

णे जंबूवयइ एजनवा उत्तोपरिमिमहं पाधरेह एसुवइवोपसवइ ततणं एसुसमणं पाविस्सइ एजवोएवं वया १५
देजंबूउत्रविना पितरीनइपाणीकाणदेसी जंबूकहइ देधनवाकाणकेहने पाणीदेसे सर्वजीवभ्रापणीकर्मने

सी जंबूउत्तं विणा पियरं वारिको दाविस्सइ जंबू वयइ एजवा को विकस्स पाविस्सइ सव्वजीवे नियएक
लिहा।

एथ्रादइ संसारमांहे फिरइं [illegible] तेजाणीकाणपिता भ्रमइछत्र जिमहेसरदत्ततिम [illegible] तेमहेसरदत्तनीदृष्टा
वइं

मप्पसाएसंसारे परिक्किरइ एगआ तेण कोविपियाको विपुत्तो जहा महेसरदत्ते [illegible] तेमहेसरदत्तवि
नगुरुनेकहो देवद्र एहनेकाम्रहीपता मरतकेघइं विजयपुरनगरे महेसरदत्त व्यवहारियोवसे
व मारीपनइबिघइं नइंविसइ

इंतमग्गंवदिसइ एजवाइ देवजंबूदीवे भारहेवासे विजयपुरनयरे महेसरदत्त ववहारगोवसइ जि पु१
जिनधर्मनजाणइ पिणनइपरिणामबिहरइ एकदा महेसरदत्तनोपिता मरणनइं धरतीसंथारेकियोएतले उत्तनैदमक
वइ समय धरतीकियोएवइ दइ

णधम्मं नयाणइ सइपरिणामेविहरइ अन्नया महेसरदत्तपिया मरणकाले भूमिसंथारियाउत्तेणं एवंवया
देउत्रआपलीकुलमांहे उथव पु[illegible]नइसीमा द्वेपिणमाहरैदिनभैसोसंभारजे उत्रस्वनत निवारइ एकइ
माहनैसमय [illegible]रीकइं हसिकरइ तेतिमा

सी उत्ता अम्हकुले साइसमए [illegible] उपमंदिरेमहिसंसारेह उत्तंतदत्ति तहेपडिसुणि
आरंधांनइं कालकरीने भैसोथयो महेसरदत्तनीमाता घरनइमांहे कालकरीनइं कूतीथई परमइविवेर
इइइइ

या अहऽकाले कालंकिच्चा महिसं पयाउत्तूया महेसरपदत्तमाया मंदिरमोहे कालंकिच्चा सुणीसंजूया विहरइ
निवारइमहेसरदत्त एकदासमइं आपणीभार्या अनेराउरसाथे विलासकरतीदे निवारइ एहवो अधव साय
घइं करतो

तएणं से महेसरदत्ते अन्नयाकयाइ नियनारिया अन्नउरिसंविलसमाणी पासइ [illegible] एवं अज्झवसिए
स्त्रीनो बेसासमा धर्म उरस बनानोएववनसाथे नेवचन काणीमीठीकहनी मारवानीहष्टिदपामारई
नेते

थ्थीबेसासंमणइ सेमहउरिसे विद्ववयणंएससई नवअणं बांणीमकराविलमाणे निग्घायदिठीसमाउ 16

अनेराउरुषनेजोगवइ वलीअनेराउरुषभणइं तेजलीस्त्रीनोवीसासकरिवोमूर्खनो जिमपईदेवी सूरीकंतानीपरइं आगइ
चिंतवणकरि लक्षण राजा

अणुपरिसंविजसइ अणुपरिसंचिंतणं तेणइत्थीविसासमूढलरकणं जहापएसी सूरिकंताइ वज्ञाविय

स्त्रीनास्वभावतइविषइंसातदोषकह्या तेकेहा असत्य धीर्य कप मूर्खपणो घणोलो सौचनही दयारहित एसात
झूट १ २ ३ ४ ५ ६ ७

व्वा इत्थीएसलावेसत्तदोसापण्णत्ता तंजहा अनियंसाहसंमाया मूढत्तं अइलोहं असुयं अदिंसाहीणं एस।

दोषछइ तेजलीस्त्रीनोविस्वास इमजाणिनानेकरिरीसनै तेअनेराउरषनइमारइ तेअनुपुरुष आपणोदोसजोए
नहीकीजे वसिकरि

सत्तदोष तेणइत्थीनविसासं एवंअभिमाणेरीसवसे सेअणुपरिसैथायइ तेअणुपरिसे अप्पदोसविया

नीमको आपणीआतमा कालकरीनइं महेसरदत्तनीस्त्रीनीकुखमांहि पुत्रपणेकपनो तेपुत्रनवमासपूराथ
निंदतोथको यो

णमाणे अप्पंनिंदमाणे कालंकिच्चा महेसरदत्त इत्थीकज्जे विरियमज्झे पज्जसंपुण्णा सेभत्तेनवसंपासा

यावत् पुत्रजनमीयो जाणैमहेसरदत्तनइं तेपुत्रवल्लभनइ रात्रदिन खोलेबसारइ महेसरदत्ततेपर

णंजावपत्तेपयाया अईवमहेसरदत्तस्स तेपुत्तंवल्लभेदा अहिनिसिरिज्जांतेनिवेसावेइ महेसरदत्तेसए

घनासो कोइनजाणइं मादरीबांनीवातहसो एवंपंडितनालक्षण कह्या तेकहइंछइं धनगयोमननीकष्टचिंता
नकहइ

रियाइं कोविनयाणइ मयंपच्छन्नविहिया एसपंडियजस्सकण पण्णत्ता तंजहा अट्ठं पणट्ठं मणकट्ठं गिह। १६

घरनोड सज्जननोवचन दुरजननोअपमान एपांचकर्म पंडित नप्रकासइ तिवारैतेमहेसरदत्त तेभरसनैध्यानकि
राचार योपछइ

उवरियं सयणवयनं हुयण अवमाणं एसपंचं कम्मपंडिया नपयासइ तपणं सेमहेसरदत्तसपरिसथपउ

अवीनोसुषछंसुषे विचरइछै तिवारइंमहेसरदत्तनीभार्या भरतारकपर विशेषभक्तिविनयसुश्रूषाकरइ

सिणीपसुद्धंसद्देणंविहरह तेणंमहेसरदत्तसारियापइवरिं विसेसनविहिणयं सुस्सूसंपज्जावासइ

बलीइमचिंत एभरतारधमपछइं जेणीमादरीचरित्रप्रकासयोनही हुंअधन्य जेणीमइंभरतारनइप्रतदीधी विचरइछ
वइ

अपुव्वं चिंतइ एसपइधम्मकेणं अमंचरियंनाथियासियं अहंअधम्मा जेणंमएसत्तारपढिंदाविया अज्जणे

कनैजावजीवलगइ सीलपालवो एहीजमनमांहिपुन्नधरतीपापविषका विचरइ तिवारेमहेसरदत्त एकसमइ पिता
मननोमोगवती छइ

मंजावज्जीवसीलधम्मा अईवमणपिसायपव्वविद्दं कामं विहरइ तपणंसेमहेसरदत्ते अण्णयाकयाइं पिय

नोश्राध करवाआरंभ्यो तेदिनपितानोवचन चीतार्यो ... कर्मनइंजो तेपितानी
गइ जीव

कम्मसाइं आरंभिया तंदिणेपियाजम्मणंसंजारिया ... विहरइ किया कम्मजीप सेपियाजीवंमहिसं

सगलेकरवैपकलीमास्यो मांसभारवनप मनमानीमवताथकाम तिवारइंमहेसरदत्तनामानोजीव कलीआपणोघर
करी तायकाविचरइछइं

सघक्कउंवसाहियघाया पंसखंमंसमइवं भुंजमाणेविहरइ तपणंमहेसरदत्तनामकाजीव पुत्तनीनियणिदं

जाणी आवी तेनैसानाहामजाती आसादस्याटै जेमैकरीमांसजोदी आहारइ तेणइसमइ पुर्वछोकताम
घाय

११ हियाणेइ समाया सेमहिसं अहिसाणीआसायइ जीवे मंसखाइरं आहारेइ तेणंसमएणं पुव्वधम्मसमाणं

निर्ग्रंथ आहारनइ तिहांआवइ इानमइ विपरीतपणोदेषी नायोपूरुइं इमआपणोपितानोमासतेपेक
साधु अथइ जोनइ रीसरीरवंधोछइ

मिणंवे आहारठाए तस्सजवानाइ नाणजीवे असमंजसंपासइ ... एवंसपियमंससरीरंपो।

वैरीतेथीलापादेवैश्यारइं माहरापितानीदिनआकईदमसुधेवोजइ इपमोद्दनीविर्टवना तिवारइमहेसरदत्त
वइ वइ वइ
सइ सढ्ढजड्डेगेनिवेइयावेइ ममप्पियाद्दिणं [illegible] एवंसुदंमासइ एसमोद्दविइंविसं मएणंमहेसरदत्तेसाळ
साथुनोवृत्त उठइंबांधइंबांदी इमसाहइ हेसामीवचन ज्ञानसमजो तिवारइं साधु जेसलनीघातकीधे
नसोजलीनइं नइ पढइ तेहज्ञात
वयणंसुबा [illegible] सामीएसवयणंअट्ठंनसंडूवा मदपुण्णासाळवरिसघायंसबं
सर्वकह्यो तेसाधुनोवृत्तनकस्तरीसकणी ज्ञातीसरणपामी तेज्ञानवइज्ञानइ कतरीइ महेसरदत्तनइ
नइ
निवेइयं तेसाळवयणंसाणीसुद्ध डाइसोरणसछयन्ना तेडाइसरणजोएसाणीपछ्छं महेसरदत्तेणं
तेघरमांहेधरतीषोदी निधानदेषाड्यो तेनिधानमहेसरदत्त ग्रह्यो मिथ्यात्वमार्गवोसइं जिणधर्मनाआराध
कहवा
समिद्धमज्जेधाया तेनिहाणंसंसहिया तेनिहाणंमहेसरदत्तेगिण्हइ मिच्छत्तममायवइ जिणआराहगास
कतरीदेवलोकेपहुता [illegible] [illegible] जिमकोइंएवंस्त अनेरइं आबाना
देवइ थानकै
विया साणीदेवलोय [illegible] [illegible] जहाकोविएरिसे अणजाणे अंबसी
वीजावाया तेएक्त गगानदीनीपालीआएणछायनीए कोइएवइं देएसवएपोलीइंसए तिवारइतेपरवकइइ
मलीखेल्लानरीतेगवालइ कालावइ
यंबसया सेएरिसेणंगगानइपालिकसिज्जामोइ कोविजइ एरिसापयकिंकाजं तयाणंसेएरिसेवय १७
माहरइयोजनदेतीनयांनरइअथवाव्यारनइ आंबानामूलछै तेइकानामूलनइंविखेनीर तेजलीइहापांणीनज्ञाउ
आनरइ पाणीनाछछसीछुछु छुं
इ ममंजोयणडलिबंऊवाद्ध [illegible] नरिएसंबकाकोअस्थि तयणंएमेनीरमपाणि तेणहेणंइदनीरंठ्ठा

हिवइंअमएरुवकारइ रेमूर्खकिहांतेआंबानापेनरी किहांतेइहांपाणीवेदेषीकाइपीस्ये तेएरवघलोहीते
तेणि अइअणएरिसंवयइ रेमूढाकत्थतेअवसुगा कत्थइद [illegible] नीरंएसकिंपीस्सइ तेएरिसाइढ्ढणं
कालनोलअजवीनिवा देइइ तिमपूर्वजनइ पाणीदेवीस्जोए एलेलोकमूर्षवइ कणक्किहांकपडी
रइ वा
दीजइ जजमचेजणंवारेइ एसणा तह्मएहजवारिवियाणिया मुढंलोअंवियाणिया कोविकइंसवज्ज
कणकेइनइंपाणीदेवइ देइइ तेजलीजं संयमचारिनलेसुं [illegible] नु तेसमयमइं जाइ
वा विष्णइं
इ कोविंकसजलंदेइ एनवा तेणअइंसंजमंगिण्हिस्सामि [illegible] नुनेलंसमएणंजाय
मार्या पहिली तिवारविन सछइ थी [illegible] हेसामीउमेएइसासाषवीनीनइं अल्सारीबी स्त्रीवीनीनइं
नाम
सारियापठमा अभिहाएसमुद्दसिरी [illegible] सामीउमीउमेएरिसंसुइंचइत्ता अम्हारिसीसुंदरीवइत्ता
सोहानइवांछी हेसामीनिश्चएछै [illegible] माहवानथ [illegible]
ली रीमांहे
सिद्धकमरिइंवइ सामीएसमिक्खा [illegible] मरुएतेबाणमं हासिकोवसइस
सदाएनीकरइं [illegible] पिंडनरैवइं [illegible] कोइता कागली जजाय हिल धरतीइसा
विषइ त्या
याकस्सणंकीरइ बलपवबापारेपिंडनरइ अणयावारइएणं कोइदवकंमुकल सविएणंइमिबा
अवकपइफल्पाफलया तिवारइतेराजी [illegible] मातानैघरेपतली तिहांथुलअनइ [illegible]
सासरइगयो
विया कमेणउप्फिया तएणंतेहातिमा अम्मयासाम्मिा अम्माणिइंगया तस्यणंएलसंदांएणंजायावेइ

हालिगसंवच्छरं वयासी एसमं जाकुलिंकिइं निपज्जइ तयाणं नारिया अम्माए जामाणवए संनामजाती

यं तत्रबीयं इरक्करवं हं दाविया कुवं रवणइ अएव्हालिए इरक्कवावणबिहिसबंति वेइयं तएणं हालि

गासंवच्छा सियं डोए एवनियं करसणे [illegible] ते भूमियं फलियं कोद्दवइ सबं अपकं अमुले

इ इरक्कवावणए कुवं एणवेइ तत्य कुलाणे ज्ञिलाजबवणातं वाणं वयइ अप्पणे रक्खणं वेइ तत्थ

विज्ञिला [illegible] दामया कोद्दवाइ असणं हालिया सकलंमजाननिपाइया

मासा पक्का तावं [illegible] सामीत स्साजमनविस्सइ अप्पाण भुंजइ तासं जमनएणमणे तेणसिद्धिं ना जाणं १६

नणविस्सइ तेण अप्पसद्धिं सोगं भुंजइ पच्छा जराएसं जम्मणि एहस्सइ [illegible] तेच [illegible] सोधा॥

तएणं जंबुद्दीवसरिसपए बहुभक्खं भावइ अण्णो अहं वायससरिसो लोहीनत्थि तेणं पक्खावि सविस्सइ सुए

द इदेव जंबुद्दीवे भरहवासे मयंगतीरे गयंद मयकलेवरं अत्थि तेकलेवरं सकरणाए बहुविह

विहगमा मिलेइ से कलेवरे चरकइ कोवि परकीनइ तटे विठई [illegible] एवं सुहेणं विहरं

ता विहरंति तेण मज्झेण वायसो अवहारे गयंद कलेवरे पइसेविंतइ केणं कारणे अहं बाहिरे निस्सरा

इहं सुहेणं आमिसं सएकेमि सयाइ इहं चिट्ठिस्सामि एवं चिंतमाणे [illegible] चिट्ठइ तएणं कले

वरे गीसमकाले अवहारे संकोचिए होत्था से वायसे कलेवरमज्झट्ठिए न निसरायइ तएणं वासासमासे क

लेवरे जलजोए समंतं पविट्ठं [illegible] जलजोए पसरिया होत्था से वायसे बाहिरिं नागएक।

कलेवरकपरवेढी दिसावलईलेषनकरई विडंबिउ अरदेवकलबिता कोइमती बइ उनईवलेवरकपरवढी
नई
लेवरोवरिछिया दिसापडिलेहणं करेइ जबदि छिंजलं विणाविं किंचि नो पासइ उछियाणूणरविकले
नई बलेवनईबलेकलेवरकरवेइ इमवारेनइ पिणपाणीनोतीरकांयनवाणे तेचला घणुपश्चातापकरइ
वरंठिया पुणबलिया कलेवरंविया वारंगुकइ पुणजलतीरंणविष्याया तेवायसेअई वपछातावि
तिहांजीवनथी मरणपाम्यो देखी एहवोकडमारा सरीरनीजीवनीनथी जीपश्चात्तापनारु तेजलीकता
रहिनजीवी
या लम्बजीवियाति कलेवरोविया सुसणोएरिसो अहं उमसरीरलोनोनस्थि जोणपछतावेइ तेणअहंत
रराकामनोगळीनी सयमलेइविहरसुं जेमएहनोनिंयणमरेछो ए तिवारइजनुनीजीवीमांथी पवनश्री
वकामसोगंचयइ संजमंविहरिस्सामि जंबुविहंतेपंचसीहदेसोए नएणंजंबुविबयालाविचापरउनसिरी
इमकहइ देसाणीहमारीजीवअनइसरीरहो एहीवनत्थमांहे सयमलेवीछुटा देषणवछल घणलोनथी जीव
बलानोहइ नहीं
एवं वयासी सामीजीवंसरीरं करेविडलं एसजावणरंसेसंजमंनजाते एणवलहद्दा अइलोहइ जीवंवि
विनास जिमकपिना देखीमीसा कोइनंदनबनसाहिदीमा एककनइ तेवनमांहे वांनरीवानरीनो
णमसी नरीतिम नल
णसइ जहाकवि सामीसुणेह कोविनंदणवणसमाणे वणेकोरा तत्थवणमज्झे कविकविणीजा १४
जालवसैलइ तेजालउनइंचलोनेह एकइवनिमांछिणमारनइइं घणफलफूलवाय नदीनोपाणीपीवइ इमसु
अइ अइ थइ
गलंपरिवसइ तेजायणेससणेदे एगयविणस्सएंनोविकइ वडफलेसरकइ नईनीरंआसायइ सुदे
विवरेवइ एकदातेवानरी वानरी कोइकअनीआधारलाथका माहोमाहे कीला तेवांनरीअनेरारूपनी कीडानई
करइ
णंविहरइ अणयासेकवित्तुयजेकोविरुवसाहाविछिया अणोणंकीलइसेकवि अण्णयारूवकीड
अथइ तलफलफलांग तिवारइवानरोफलांगकरो तेरूपेहेठोदेवताथितल एणीनोदरइबइ तेवानरी तिलणोली
नरइ
णाए तलंपसरेड तयाणंतेकवितलपेसवा सेरूरकअदेदेवादिहे कालबहेलोया सेकवितसकंद
राकेमांहेपढी तेकालनेवनाहेते वानरी दिव्यरूप मानवरूपछजीवी तिवारइवानरी वानरीसंतो मांहोमांहे
बुरबीणभावका करइ
मज्झेपडया तस्सजलपसावस्स सकविदिव्वरूवमाणवउरिसंजोत्या तएणंतेउवेसंउवादका अणोवय
उमयतैयो तिवैवनोनरमूकीदिवैसालोकेव नगरमांहे सुवैविहरसं तिवारवानरवउरव इमकहइ
नइ अन
इ उणजोए तिरिजवं उक्कायाव दणंबजहा नयरमज्झेसुहेणंविहरस्सइ वानरकविउरिसाएवंवया
देखीमांहेवीववनसानल बलीइण इहमांहे रहो लीमसुखनीनवमांनी देवताथाक तेजलीजं
सीपियामएवयणंसुणेह उणरविपसदहमज्झेकंपाइ तथा वयसवेवयइ देवेसविसइ तेणंअहं
न देवरूपथावो तिवरैवानरी सरतारव कहइ देसांमीअतिहणीनोजमत रही वानरथासो
करी
उमंदेवरूवंजवामि तएणंकविणीपियाएइ एवंवयासी सामीअईलोहंमाकरु उणरविवानरसवि
तिसणीमनकहो वानरउरव स्त्रीनोवचनहीमान्यो इमवारवलेवारविणवारस्त्रीवरजो पिणवानरआरि
समप्रातइ
सइ तेणंकविन वानरउरिसंपियावयणंनमण्णइ वारंवडं पिनवं पियियावारेइ उरिसंनमन्नइ उ ८८
तिवारें वानरीपिणवानरानेस्नेहनेबसे इहमांहेपडी तेरूपवत रंजारामानस्त्रीकई । १ ३७
करी
तयाणं कविणी कविपेमवसिए दहमज्झेपडया सारूववईरंसासमणाइस्थीजोया ॥ ३ ३ ७ ॥

णो विउंपविया [illegible] महापच्छानाविया सरकसाहाए छिन्ना तएणं तस्स इत्थिया वानरपि

यं [illegible] तत्थ सरकावए पत्तसरीरे आगयइ ठिया से वानरे आसाया वेयणी

वेइयं तएणं तस्स वणआसण नयरे राया आसी कीलणठाए तत्थ वणे उवागच्छइ रत्ता तएणं जियसत्तु

राया सा सुंदरी दिठा एवं वयासी अयं को विकत्थ पागया कत्थ वससि तएणं तेइ इत्थिए कहियं चरियं निवे

यं राया दिठरागेण मोहं गया रायारया दिठ वयणे मोहं वसिया अन्तेउरस्स सणे ठं राया साइ त्थीए विवा

हिया सव्वदेवीसिरेपट्टदेवीठाविया विविद वत्थ विविद आहारण विविद कामभोगे सरिसजोए अ १०

ईवयिमनरं विहरइ तएणं से कविपच्छतावेइ [illegible] कस्स

रज्जेए नायइं सेहाविया [illegible] सेनट्ठउरिसं [illegible] विहरइ अन्नया केणवरा

यासद्देवीसद्धिं गवक्खे ठिया तेणेव समनट्ठउरिसं वानरसद्धिं पागया दिठिं नच्चावेइ सव्वसहा कविरंज

विया तेण ते वानरदाणठाए तेदेवीअं [illegible] वानरदेवी [illegible] विलोवइ उवल

खिया [illegible] तयाणं सा देवी एवं वयासी केणठे

णं कविरूवइ देवी [illegible] तएणं सा देवी एवं वयासी वानरापारोयइ [illegible]

इ तस्साणं [illegible] सव्वानरनारयं [illegible] तहा सामी अंस

विस्सइ अहं [illegible] परलोयं विणस्स

तेमणीदेसाभी अप्रमाशिवी देवलोकमांहे तेमणीसंसारनासुवहि संयमपालेवो एहदृष्टांतेअवसरइंसंय
नथि केसो मलेइक्षिवजो

सि तेणंसामी अहंसारिक्खासरतिदे नत्थि सुहंसुहेणेविलसह संजमंपाणिएहइ पव्वजरासमए संजमंवि

कांगूइ एतेपछीवइंशी इ निवारइं जम्बूएम्ब्मीषृप्तइं पोतीमुखरकहे देखीअमाराभारीरवो नेणपीकाइ
मनथी

इ रस्सइ जंबूकिहंसिकालेमइंसो इ तएणंजंबूपभसिरीएपुत्त्तरंभासइ पियाअम्हंसरीरेसोणंअहंतपवि

क्षिमककवाली तिमजाणिवी तिवारेएसपी इमबोली देसामीकुणककवाली जंबूकहे एकदा

नत्थि जहाकवाडीतहामायहं तयाणंपउमसिरीएवंवयासी सामीकोविकवाडीजंबूवयइ अस्सय

कोइ कवाली कोइलाखेवंतरा पोतीनाजाज सरूकाबनमांहि आवी स्वकायपरना कोलएकला एवे
नइअर्थइ नजरीनइ करइ रली

कोविककवाडीकोकिलनाए जलनायणन्तरियावलसुक्कमज्झेमागया सुक्कुरस्कयरं कंठमेलइ अरणी
नइआकलइयोगइं स्वयरनाकाव धुणावइं तेकवाडीनइ तारनेजाणे इत्तजाणी तेपालीना ज्ञानजनइंकरी

अकंअग्गिंउप्पाइएरवयरकंठसंधरकेइसोकवाडीताव जोएपियासंउपज्जइ सेवाविनायणेणञारि
पोतीवी बीजीवारतीजीवारपोलीरहितथयी कालीज बलीइप्तालागी घलोकमहसइ एवेकोइसस्काइन्क
वइ वी नोदोहिली नीलायानइयोनि

पीएइ क्खंपिनक्खंपिसायरं जलंविणानवियंअमरवितकासखप्पना अईवउसद्दा कोविसुक्कुरस्क ।१२।
करी नीवअवी तेकुवाली सुपनांमांहे इच्छानेवसई कावलीकुवासरोवरनदीसागरनीसर्वपोलीपी
यी

णयाजोएमिच्छापयाओ सेकुवाडीसुविणमज्झेपियासवसिए वावीकुवसरंनईसायरेसव्वाणिपीए

तोपिणइछानेअगइ एवेघणीनिद्राआवी इत्तनांबनइं किहांइवनमांहि कादीदेखइ तेकवाडीइ छानइवसइ

लंतमझानरंकिया एआअतिनिद्दाए पियासवसिए किहंवणमज्झे कद्दमंपासइ सेकवाडीपियासवसि
घणाइच्छानेलाकरी कादवनाउपलीमांहे नी एवमांहेतेहणनिचोवइं देखी जीवकवाडीनी सागरनदीनाजलथकीइच्छा
जोवइं

एवजलएमेलइ कद्दमनीरंनिंजवइ बुइंसातएणंनिचोयइ सोलहेजेणकवाडीसायरनईजलेतएहान
नजाणइ तेहणनाकाणथीसतोवथाय एथापी केहइ उपनयाय देखावी तिमसागरनदी जलसमान देवलो

क्षिया तेलणकालेसंउट्ठेनवइ एवामिलीइथइ नोजवइसारिया नहासायरनईजलसमाणदेवलो
कनाविषयसुख तेलोसुखेइप्तनथयोतो मनुष्यनासुखदेविषइएडीवस्पंइमवा तेमणीवृत्तादेशजोगनांई इणज
वइ मसी सुख

यविसयसुहं तेणंसुहेजीवंनतत्तिउं मणुयसुहंजीवेकिंतएतिस्सइ तेणंअहंतवसरीरेणोगंतए
तेसमानईतेतणांनीवइ संयमलेसुं जंबूइंएतेसमीतोउपेसी निवारइंजंबूनीइजीनार्या एकनीसेना

जलसमाणंवक्का संजमंगिण्हस्सइ जंबूहिंतेसमणीउहेसोउ नएणंजंबूनइयसारियाएकमसे
इमबोली इसामीएहेसयमलेलो देवाणनाय क्षिमकाणीला तिमउमे नूइथासो देखामी
नइकोइ

णएवंवयासी सामीउमंसंजमंमागिण्हइ एएणनाइ जहाराजपुत्तो तहाउमंनहं तविस्सइ सामीसु
सामी एहिंडाराजपुत्र कोइसुनार वसइं एहनेकुउरवइं योवनवयपाम्यतेपत्रनेसुनार देवरमाये
लो नारइं

णेह इहेवभरहखित्तेकोविहिसमानवासइ तस्सएगोपुत्तेअत्थि जुव्वणसंपत्ते हिरणरुयुतएणंगिं

कालिपदल सोनारनीछत्र सा यीसाथे पाडोमांहे घलीमीद सेद धरतोविश्र पिणपितानी वचननपाने एकदावर
करायो रइहाइ
पडिविया हिरणिरजतसारियासहिं अणीएण आमोदविमाणविदरइ पितावएणं जाराइंए अणयाउ
तीखी अनेराअरएसोथे सोणसोमदतांहेवै तिवारेपिताइं उवएतेकह्यो देवदत्ताइरीस्त्री अनाथ
नजारिया अणवरिससहिं जंजाणएणासइ तयाणं विमाणे उववज्जइ निविइयं उज्जाणवजारिया अणया
रणीवइं पुत्री तेपितानी वचनउन्नमानइ देकारतीनवार उववितानी वचननमाने पछेकोपकरीपिता नम
हइं कह्योपिण एतइं
रणीअत्थि तस्सविया वयणं उववन्नवेयइ उववितहं पिउणपिया वयणं ममइ आसुरत्ते पियाए एवं व
कह्यो तोहुंअरिस पोतकारि एसारिखीकोइअलवेतीनथी तिवारइंतेहइसोनार जानीपदिलीराधीराजै
पेसा रह्यो
यासी कजारसविमा पोनेत्तस धरिसाको विहीलवइ मत्थि तयाणं तेजजारसवमाणार पउलपडमरयणी
तिवारइंतेअनाचारणी जिवारेअनयवरूप साथेसयापंड्रह्यो तिवारेपहइसोनार पउलपऊत्रगनीसा
विया तएणं सा अणयारणी जयाणं अणवरिससहिं सिज्झासए तयाणं जक्कादिरणगारेपवलणतसारिया
नापणांनाने इलवेइलवे उतारीले तिवारेअनाचारणी जोयणे पाडरीनेघरतेईनइगयो तिवारइं
वर इनाखी
णजनेमरंसणिथं गणिएइ पएणं तयाणं अणयारणी विमाणिया मममेनरं गहिया गहिया तयाणं तेअ २४
तेअनअरवनइंसीख तेस्थानकेआपणीनारीनेबो त्रियपाइंस्तीत्रिवरिवे तिवारेतेस्त्री विणमापडे डमोली
दीधी जावी
णवरिसविसज्जिया तहाणेनिय पइंसहा विया सिज्झासया विपरइ समुएणे गारिया एवणं तहिं एवं वया।

देपालसहीनजाणी उजारिपिताहिनं पाडराएानानेघरतेईनइगयो आवने पछेइमकहसी
सी पाणवइहजसाइ उवंपिया अजाणीममंपाउनेअरं गिएइ पण जवासइ आ पलएवंजासिस्सइ म
मइ एकअलवअ अनेराअरूपसाथे आप्यइं नेअरलीध देअणवज्जस पछेयेजाणी जंकोइनजाव्ह
सूतो
यापसकलवज्ज अणवरिससहिं सिज्झाएतेअरं गहिया पालवइस्सा पवंजाणइ अहं किंनयाणमि त
तिवारइएमानमइ उववितानी पइलोकड़े देपितासीकिसमणीराखिमइ पाडरीसियाइ जाडानइंअवसरेकि
समइं समइ मइआप
एणं विसायसमए उववियाए एवं वासी पियाकोण डेणं रयणी समएअंमंसि जाएणजासमए मागया त
तिवारइंतेवूठोसोनार उउएते अन्यअरूपनोसर्वइत्तांतकह्यो तेअवनउत्रमानइं उववितानेपाडोमांहे जो
गयो
एणं तेकजारहिरणगारे उवएइ अणवरिसाइयंसवंनिवेइयं तेअयणं उववन्नममइ उववियाविरोहे जाय
तिवारइं इहसोनारनी जीवइं रावदिनआर्तध्याननथावेवइं एकदाउगनीजायी नेजाननदीजीवइं
एवइ
नवंपज्जाजजारवरिसाए अहंनिसंअरइजाणंवेयइ सोयणंनजंउइ।
एदवोकदे ज्ञतिवारेभोजनजीवुं जिवारइंजं कलकरहितथा जंमारउंतोमीजाणइं सएजावीकदेवुम
वुं नइं
एवंवयइ अहंनयाणं सोयामि जयाणं अहंनिकलंकंजवइ अहंनयरलोयसाहियं सएजावदेवयं
जंनहीसंघटुनही जिवारेजंपापनीकरणहार जिवारे जं आचारणीमजी तीवुकनेनहीनथ
लगहुंजाय हुं हुं सी
अहंनसंघट्टामि जयाणं अहंपवकारणी जयाणं अहं आचारणीनहीकिस्सइ।

तिवारें अनतीतकालजीवखुं तिवारें सर्वलोकए कहतास्रि तिवारे तेभ्रत्रीनार्यो आपणचरित्रआणीनइ

तयाणं अहं गोयमा अदं सोयाणि तयाणं सालोए [illegible] तयाणं तेभत्तारियाए अप्पवरियं विप्पजहेत्

पछेते अप्पउरव मेरीनलीहंवीलावीने इमकहइं हेमित्र रुंभहितोष्यावो रायनस्मलनावी वस्त्ररहित होय

तेअणउरिसा अवदारे सद्दाविया एवं वयासी लोभिलाउ मंगिलई नवइ डारंन्दायइ अप्पवत्थं स

पछेकोजिवारे सप्पनावदेवतानइ स्थानकेजाउं तिवारइंतेउहने सघटोकरीनासी मिवकोस्यो जोजे ममनडो

वइ पव्वाजयाणं अहं सप्पनावदेवया आलएणं जामि तयाणं उमं माणी संघट्टेइ पणडइ एवं वइउ अ

अम्ह उरुष एकवस्त्रसोंनतीमेतइति एमाणकरइं किहोयबकीआर्यायोजीनी तेतीजदिस पाछोगयो जिमथिइस्त्रीनोकहोएकस्योति मकरवो

मउरिसएसवयणं सुच्चा तद्दति आणेवदिसं पाउब्भूए तामेवदिसं पडिगए कदामिन्न मासा तदा काय

इम गांहिलीथयो यावत संघटोकरीनासो तिवारेतेभ्रत्रीनार्यो इमबोली अहोसप्पनावीक देवता जमा

वं गहिल सत्थं सूया जावसंघट्टिएणएणं तयाणं तेभत्तारियाए एवंवयासी सप्पनावदेवया अहं म

इसाभ्रणवस्त्ररहितलि एतलोडि आजपाछिलाउरिसबिनाएतले अमेरीकोइउरुषनोसंघटोकी मनवचनकाया तेम एकपाछिलोअनेएकपहिलोएबेबिना थोडीयसपर्शीहोय

मंपाणवलादंबिएण नवरं अकाएसणबिउरिसंबिएण अवरं मणं कोविसंघट्टिया मणवयणकाय २२

तेविवे लोतंउकनैमार नहीतोउकनैजीवतनादेस इमकहतीथकी सप्पनावीकदेवतानैसंघटीने

तिविहा तत्थ मं मणं घायइ अम्मया मणं जीवयखं दासेइ एवंभासमाणे सप्पनावदेवया संघट्टिया

होयतनावीमइं सर्वलोकतत्तमाउसीलीकइइ [illegible] इहसीमारनोसाथै भ्रूअआदरहिसर्वलोक बाहिरआवी हीलइ

बाहिरमागया सव्वजणउवमा उवासइ [illegible] विम्हरइ डाकारहिरणगारं उल्लाइ सव्वजणहीलं

निइइं पछेसर्वलोक आपपणीघरेगया तिवारपछतेहइसोनार घणोआर्तध्यानध्यावइं स्त्रीम इचकरै

तिगरइंति सव्वे पडिदंसवजणपडिगया तयाणं से कक्कारसरीरं हिरणगारं मणा अट्टडदंइ वेयइ सच्छ

चरित्रकोइनजाणे कौडइएतिन तारागितो एइणनीसेरखाकरइं इइनीविधजाणे राकानीयइ

चरिअंन वियाणाएइ कोविपंडियानाराणोइ गइणपसंखाकीरइ णासुरेदं वियाणेइ राकारवि

मानोसूर्यनीचरित्रजाणे प्रिणस्त्रीनाचरित्र देवतानजाणइं तोमनुष्यतो किहोथनजाणै इमआर्तध्यानकरतै

ससिचरियं वियाणाएइ उणइत्थीचरियं देवानयाणइ [illegible] एवं अट्टडइ ववसि

वसेविदेरपनीदरहितथाय तेसुनारजाजरीमेसो नीदरहितएकवोनगरमांहे विस्तस्यो माहीमांहेघणोलोकइ

एविसंसं अमिहं सवइ सेहिरणगारकारिए अनिद्दाए नयरमज्झेवित्थरिया अन्नोन्नजणए वंस

मकहइं सूबेटोसोनार नीदरहितथइं [illegible] [illegible] सोनीदरहि

लवंति डाकारहिरणगारे अनिद्दाए अत्थि [illegible] सद्दाविया एवं वयासी सो अनिद्द

तसोनार माहराअंतेउर संभारउपरइरो [illegible] तिवारेंतेनीदरहितसोनारउरसत राजाइआव हिकरइं

हिरणगारा ममं अंतेउरे संभावरिविद्दइ [illegible] तएणं ते अनिद्दउरिसा तद्दति रायाएसा

तेती अंतेउरवि राजाने आदेसी रह्यो विजादिस नेमार अंतेउरनैजोवतोथकोविचरे छइ निवारइ

यंणिदमाणे वहंगावरकेराया आएसेहिया चउदिसिजेमणारं अंतेउरंविलोयमाणेविहरइ तायंणंत

आवीसविनइं अंतेउरनैपाछिलै पाटनोहाथीमावतसहितआयो तिहांपटराणीनेहीथीस्रूंढे हाथीचूढे
मनइं कारणइं करीलेइ

णंसावसा अंतेउरंपिठउवारे पट्टगयंदेवुंतारसहिआगया तत्थपट्टदेवीगयंदनासाणद्धियदणिद्ध

थापी तिहांमावतपटराणीसाथे [illegible] पटराणीनइहाथीसूंकसुं पलनीनइ आपणैगवरकैगइ

ठिठिया तत्थवुंतारपट्टदेवीसहिं [illegible] पट्टदेवीगयंदनासाएविलग्गानियगवरकंगाया

तिवारइं मावतहाथीसहित पणिगयो [illegible] [illegible] देवइदेखीने [illegible] अध्यातम
पछइं चिंतवि

तउपच्छा वुंतारगयंदसहियं पडिगाया [illegible] सइरसाए [illegible] वासी अजभवि

वाला हाराजानैघरेएवरि नीमाइरायघरनोसूंक आर्तदोहह करतो मियाठे नेस्त्रीयं प्रायमंदली
गो रवइ किवी क

एहारायणिदेएसचरियं तउणंममगिहेकोणमं [illegible] नेहत्थीमहामंदत्ति

बरथति महापराक्रमी महाविज्ञान कलाइकुसल प्रत्यक्ष सरस्वतीसरीख तेपिणइसउ स्त्रीई अधु
नी

या जवतवइ महापरक्कमा महाविण्णाणकलाकुसला पच्चक्खसरस्सइतुल्ला तेविइरिसाइत्थीहिं अंग २५

ऊपरनवाया [illegible] मोहराघरनोसूं एहवीथि आर्तदोहह कालो सूखे निद्राआवी
काढ़िवी नथइं

जीवरिन्नाविया [illegible] ममगिहेकोणमं एवंचिंतइ अट्टवट्टविसजिया सुहेणनिद्दागया

नहीजाणइं तिवारैसवारनेसमयेराजा नेत्रीदरसि उघमनइंजगावइं राजापूछइं इसीनार किसाल
नजरस ली

या नोविउद्धा [illegible] रायातेअनिद्दइरिसागावियारायापुच्छइ [illegible] केणका

नीदघणीआवी सीनारकहइ हेराजामतपूछो कांनहीकहुं तिवारैराजाविशेषथीपूछो

रणेणं अइनिद्दापागया [illegible] रायापुणरवि विसेसओ [illegible]

कणकारणै नीदघणी तिवारइंतेसीनार आपणीस्त्रीनोचरित्रकह्यो तिवारैसीनारनेसीखदीधी
आवी

केणकारणं निद्दा [illegible] वियरणगारे अप्पमहिलाचरियं निवेइयं तएणं विरणगारापडिविसजि

राजाजीसूकोपे पटराणीपटहाथी तेवुंतारमावतवोलाया पटराणीनेहाथीइं थापी [illegible]

या रायाआसुरुत्ते पट्टदेवीपट्टहत्थीसेवुंतारसद्दाविया पट्टदेवीगयंदेआवियावुंतारआसणेन

[illegible] [illegible] तिहांआवीनेआवीनइं हाथीविघरैचडावी राजासेवककहरुवइ
रहइ

यर गजंमजेणं [illegible] भयिसिहरे [illegible] ठविया राया [illegible] विसिउ

[illegible] एहाथीसहित [illegible] धरतीइंनांखो [illegible] करी

रिसाएवंवयासी [illegible] गयंदसहियावुंतारदेवीसिहरंपहविठोलइ अविलंबंकस तए

तिवारैतेसेवकपुरुष [illegible] राजामावतनोपछइ तिवारैसर्वलोक देखतांथकां
आवीनइं

णंतेकोडुंबियपुरिसा सिहरसमीवंमागया [illegible] तयाणंसव्वजणाविलोयमाणेणं

पट्टपटराणीनो
तनंघड्ढापट्ट
चरित्र
देवीचरियं
कह्यो
निवेइयं

हाथीइ एक पग आकाशी राख्यो   तीन पगइं करी सरीरनो भार वहइ   तिवारइं मंत्री आदेईस   राजानै वीनवै ईरा
र्नलोक
यवरणपायं आयासंठिया तिहिं पाएसरीरभारं वहइ तयाणं मंताइसव्वलोया रायं विन्नवइ महिंद
कोनए हाथीअवमहइ   धर्मबल बंसहै समप्रमोदेस   ... सांभलीनइ परदेसैकाढो   हेसामी हाथीनै पछो अणवो
मर्थजइ
एसहत्थिवरणमा सव्वजीवासंतासमत्था कुमारदेवी एएसंनियासइ सामीगयंदपच्छाआणवेइ
राजा मानइ   तिवारे हाथी वाग्याकासी राख्या   इमतीनपग हाथीइं उंचाराख्या   राजा संतोष   हाथी घरमांहि राख्य
पाम्यो
रायानोमन्नइ गयंदोदोविपाया आयासं एवंतिन्निवि पाया आयासं रायासंतुठा गयंदं गिहे ठावि
... प्रसन्न   पावनमइ रोणीनै   आपण   देशबाहिरकाढ्या   तिवारेतेबेई   भमतां थकासंध्या
... सया
या ... कुमारदेवीदो विनियजणवयबाहिरं निस्सारिया तएणं ते ... कालेसं
नइसमय   किणहीनगरनै पासनी   देवकुलदेहरी ... तिहां   तेणइसमयनै   नगर चसीचोरी   कोइचोर नाठो
आवीविसामोलइ   छिपइ   करी
जासमए कोविनयरपरिसरे देवकुलेविस्सामिया तेणंसमएणं नयरमुसिया कोवितक्करपण्हा
तिहां सीतइ देहरे   आवी   तिवारै तेभावतनी मार्ग   चोरनालोचनदेवी   कहै   तेहनैसमीपइं रही थकी
तेनहातस्सदेवकुले मागया तएणं तेकुमारभारिया चोरलोयणंपासइ तहेवितस्ससमीविठिया ५५
इमकहइ   मनहरवीदेस्या कुंकण   कुंनगरनी   कुंधनचोरीनै नाठो
वइ   रहुं   इहां आवीछुं   माहरइ ... नवइ
एवंवयासी माजीयइ अमं कोवि अहं नयर तेणअहं मुसियापणहाइ मागया ममंउकिमइ मे

... नइ हलवा आवैहै   तेमणी कुंमरसुं   तिवारैतेदेवी इमकहइ   तुमा हरीभर्तारकसो   माहरोस
ममइएणठाए नवागआमणे तयाणं अहंनीएणि तयाणं देवीएवं वयासी अमंमनत्तारनवसि ममंसरी
रीरविलससि   तेचोरकहै   हां नत्तारथाई   तिवारइं तेदेइ एकजाया   तेणीसमइ सुभट आव्या   सलभवसला
स   इयर्दस्यां
रंविलससि तेणंवयइ हंताजवसइ तयाणं तेइ ... तेणंसमएसुइ मामायासलवइ त
तिवारइं राणी इमकहै   तीभ जाटसुं देखोलो   तिवारै सुभट इमबोल्या   कोइचोरइ हां आव्यो   तिवारइंम
हाम्त
यांदीवीएवंवयासी सुइमाकिं विलोयइ तयाणं सुइमाएवंवयासी कोविलेणमागया नयाणंकुंत
पासैरहोस   तेइहलव   एतइ तत्काल   तेमाहावतनेसूलीआरोपणकरै   सुभट पण आया   तिवारैतेमा   सूलीवा
तोअइ   तायोएघोर   एकजइ   सूलीचढावीलइ   ...
रपासठिया ... काले ... सेकुमारे सूलियारोवणं करेइ सुइमापडिगया तयाणं ते कुमारइत्थी
वरिज   कांणतोथको   ... नीकतैनही   इघाजागी   तिवारइं जिनदत्त श्रावक   नवकारसिखाव्यो
वरियं विवाणमाएपाणं नोनिग्गइ पिवासस भुम्मन्ना तएणं जिणदत्तसमणोवासए नवुकारसिरकावि
जिमकंमकवीरनवकारमइं पावै देवता   तेमाहावतनेजीव   सौधर्म देवलोकै देवताथयो   देवमाताभुख
थयो तिमजाणवो   कालकरीनइ
या जहाजंमए तहासाणियव्वा कालंकिच्चा तेणंसेकुमारजीवे सोहम्मदेवलोएदेवसमुप्पन्ना देवसुहंवि
विलसे   तिवारै तेघनात नहंसंप्रे   चोरनइसाथे राणीचाल   जिमचोर राणीसंघ   तिमरूपमनोरथ वेइसुषमाले
तोथका   होजोवइ
लसइ तएणं तेविन्नायसमए तेणसद्धिदेवीचलमाणे जहा तेणबिलोयइ तहादेवी कामरणेडेयइ
२०

तिवारइं मन मांहे विषयनी कर्मगां थइं थई तेणे समय मार्ग मांहे मोटी नदी पाणी इंद्रीय थइं देवीने तिवारइं चोरसां लीधुं ते

तएणं से विसए एक्कमासं ठं बंधइ तेणं समएणं पुव्वण्हे अवरण्हे अलच्छरियाएं सह रत्ता तत्थ णं ते देवी

ओ नदी तारी देवीं उमारा सरी एकदार एक बप गरणवस्त्रा डीअणी उमारा अने मा इरासई लेई नइं ना दिकलइने वकने देहि नपगरणवस्त्रादिक

अपुव्वं व्वासी सो सारिया उमं शरीरं सज्ञदारं उगरणं पमंदाइ इह कालं ते मंसमसत्त तवगरणा राय

नदीनइं पैलैकांठे पंच्ली एडे रुहीं आवसे इमकही सर्व आमरणउपगरण पहिरवा ना वसर्वने स्वविना

नत्थ पेउ नीग्गइयपुच्छा अहं इह मागइ सामि एवं वासमाणे सद्दाहरणं त्त आगरणं नउपद्वविण सद्धं

ईनइं नदीकतरो पइलीकाठे रहो तिवारैइमविंतवो कोस्ती नवीरनइ मोनी उकसाथे मुउचौन नेस्त्री वइं

हाय नइं वत्त रिए पविमत्तदे ठिया सव्वं अजम्मिए कोइत्थी नम्मासेयइ ममस ढिलिसइ सेइ

स्वं मुकनइ मुचदेसें नेननीइमविंतवी उपगरणसर्वलेइनाणी रागीथ्रै सष्ठकरइं पिल

स्थी किंपमं सुदंदासइ नव्वए वंलिपवगनस्संमं तेसायपएणं देवी विलोयइ आइं कीरइ उणते

चोरपाओ नजोवइ तिवारै तेनार आपणे स्थानकै गयो तिवारै तेराणी एकाकी वस्त्रहीन नदीनइ कावइं मंजनइं पूलैरहीय कीरोवइं

एतपहा विलोयइ तएणं तस्स हालेगया तएणं ते देवी पाणी वस्त्रहीण नईंतटे पंडयण दिठियारोयइ

आकंदकरै सोचककरती वेठीवइ तेणे समय वइं विरइ ते मावतमो जीवदेवता अवधिज्ञानेकरीजोवइं माहावतमो त्रय देखइं ज्ञानइं जोगइं

कंदइ ससोयइ विहइ तेणं समएणं तेइंनारजीवेदेवे तद्दिणं आ सोएइ अंतारन्न संपासइ नाएणे

देवीनइदेषइं नदीनइंकाठै वस्त्रहीण एरवी देषइं तिवारै पलिबोधवाने आवेइं नदीने कांठे आवे पढेकांबुकसियालनोरूप विकुर्वइ

ए देवीपासइ नइ तटे वत्थहीणपासइ तत्थाणं पडिबोह ठाए नइ तटे आगच्छइ जंबुयस्स रूवं विउव्विइ

एकवील नो सएकरइ ते चील आकासे ममैवइं जंबुकसियाल ना मुखमांहे मांस छइ ते जंबुकसियाल नदीनइकाठे मांस नो छल

एगं गिद्धणी रूवं विउव्विइ सेगिद्धणी आयासे भमइ जंबुय मुहे मंसं से जंबुए नइतडे मंस कवलं छंडे

मूकी नदी मांहि मच्छ एकनइ आणी देषै तिवारै ते मांस नो कवल चीलनलेईमइगई मत्स नदीनाजलमांहे पइठो

यइ नइ मज्झे मच्छ गइ णं तए धाविया तत्कालं सेमंसकवलं तेगिद्धणी गहियं एणं हा मच्छ नइ जलपवि

देवी देषइं देइं जुगलनेव थवी नृत्यथयो तिवारै देवीहर्षथइं हसीनइ बोली रे जंबुक ने थकी कुथष्टयो तिवारइ जंबुकसियाल

ठा देवी विलोयइ जंबुयाउ वेसा तत्थाणं विधीरिय सिया एवं वयासी जंबुयाउ वेसठा तयाणं जंबू

मनआपनी वाघाइं करी बोली रेश्याना नेतीण नीमनथकी कृष्टथइं तिह्नंदा एकरा आर बीडीमाहा वणइ तीबोचोर त्र पतीनथकी

पम णस्स नास वयं वयासी रायादेवी अभे तिमठा तं जहा एग राया विरयं भंतार तिय चोराए ए तिन्नि

अभिव्रु उरमण प थई रुष्ट जिवी जांतीजंबुकपरानी जातवृंतेथकी रुष्टथयो तोरस्यथयो जीवत्राणदीव तोगत्तोथकोनदीये

अभिभ्रु उरमण यत्थढा अहं जंबुयाउ जाइ उवे मठा नहकिंम्ह यं जीवं अप्प दो संविलसमाणं तोपि

पर मासरस व सपान दीवते देषइं एपापीजीवनाल कृणवइं तिवारइं तेणी इमकहै रे जंबुक सियालतमादरी च रिश

ठइ परसरवपसमादोसं पेच्छइ एसपाव जीव जरकण तत्थाणं देवी एवं वयासी जंबुयाउ पमंसरियं

किं भजी तीवइ तिवारइं देवता आपणो रूप प्रगट करीनै इम बोली देवीणी जोमा दावत तोजी वतै सर्व इ तोत कह्यो

किं विया एह । तत्थ णं से वेसमरावं तमरी सूया एवं वयासी देवी अहं णं तारजी वे सर्व निवेइयं तया
तिवारइं तेराणी आपणो वित्ति इम बोली इणि अकार्य कीधो जे अधम छुं वैराग्यवंत थई देवतानी साखि
देवी

णं ते देवी अप्पणं निंदमाणे एवं वयासी हा मया अकिच्चं किच्चं अहं अधन्ना वेरग्ग जाया देव सम्मक्खं
साध्वी थई देवता पाछो गयो तिमहि रामी अनै अरिहा सारिखी स्त्रीप मीनइ तैसी लोक्ता सुख तजि ने सम्यक्त्वनी
पामीनइ थइ

साहुणी सूया देवा पडिगया तह सामी अन्ने अणहा रिसी सुंदरी पाविया तेस इं च रज्जं छलित इंकस्स
निर्गुणिसमान राजानी रत्ननी परि थासी वेश्या इहलोक परलोकना नेह थी कष्ट करसी तै व्यती हित नहीं सुख

इ गुणव सस्स सयदेवी इव न विस्सइ उवेसु इं इहलोए परलोए जहा न विस्सइ तम्हा अहं णं सुहं
अपार शरीरनो विलसीनो एवंसय महाभि पूस्यो थ इंडइ विश्वसमी जंबूद्वीपे अरुष्ट्र मे इंद्रेशो तिवारई कहइ सुधर्म
गयो

अह न्नारी सिरिवेसद्द एक्का संजमं अहं सहिं वि दुरामि जंबूद्वीपे ते मोजद्देशो तयां अम्ब पउम
सेना पते पाछो नगर आव्यइ देखी जाविद्युन्मालीनी परइं श्रीपमाहे पर भलो थको विद्याधारी तिवारइ पद्मसेना
करइ कहइ

सेणपइं पउमसंकासइ पिया अहं विज्जुणमालीइव मोगलिपमाणे विज्जाणइ रियं नवपउमसेणव १७
देसामीक ए विद्युन्माली किम विद्याधारी सुजनइ करी जंबूकहै एह जंबूद्वीपना भरत
मांहीवइ

वइ सामीको विज्जणमाली किंह विज्जा धारिया मनंव विसद्द जंबूकहइ इह देवजं बूद्दीवे भारहे

वेतइ कुसाडमा नगर नामकही तिहां वे बांधवना उत्तवसइं एकवार विद्युन्माली मेघरथ सदा निर्धन थइं

वासे कुसाडणं नामे होत्था तत्थ णं वे विप्प उत्ता परिवसइ तं जहा विज्जणमाली मेहरहो अणदिनि द्दि
नहीं विद्यानही कीर्ति डरवै करीजीवे तेवेइ एकदा समय गामवाहिरइ देवनीवायइ कोइ विद्याधर देखी

णं नविज्जान कित्ती उदाजी वंतिउवे अणया कयाइ गामबाहिरं सरकबायाए कोवि विज्जाहरे पासइ
वावइं तिवारइं ते विद्याधर इम कहइ देवि चंडाली विद्याधर संबंधी विद्या सिधाडुं माहरो बलवानपणो
जो भागानो

वंदइ२ तयाणं ते विज्जाहरे एवं वयासी सो विय्या चंडाली विज्जाहरी विज्जा सिरकावेमि मम बयणं पाल
ते विद्याधरसों वचन विद्युन्माली मेघरथ इम बोल्यो दोबंधवनी ए अविद्यानाप्रासाद विद्याधरइं तेहि
मांबलीनइ तस्यां

सइ ते बयणं सुच्चा विज्जणमाली मेहरहो एवं वयासी इंतायउ अम्हं विज्जापिकासिया तए णं तेवि
द्याधर इम बोल्यो अमेवेइ एकचूडानी उठीनो पाणी पूरण करी एको नगरमवाहिर रहो तै मातंगी साथेनी भगती

ज्जाहरे एवं वयासी तुम्हे उठवे एगमायंग त्तीपाणिगिएहद्द पंत गामं बाहिरं बसद्द सत्तमायंगिणीसहिं
भोगवो सदा ब्रह्मचारी रहजो इम वाहरइ अमनै देसुं एकमनइ करी ब्रह्मसमाधि चंडाली विद्या
अपवो

भोगभोगुं उाइ सया बंभयारी विहरह अहं मंतरकरं उमं दावेमि एगं मणं जायह अहं पासाए चंडाली वि
प्रत्यक्ष करसी ते वचनसांभलीनइ विद्युन्माली मेघरथ जिम विद्याधरइं कह्यो तिम करइं यातु

ज्जा पच्चक्खं न विस्सइ ते वयणं सुच्चा विज्जणमाली मेहरहो जहा विज्जाहरस्स सियं तहा कायव्वं उाव

एकप्रतिकरीनंआक्रर जयताथकाविचरेछे तिवारइं विद्युन्मालीने मातंगीकरूप देवीविषयसुखभोगइरूपछे

पाणमेणंतरकसंकायमाणंविहरइ तएणं सायाविज्जुमालीमायंगीरूवविसयभोदंतरवजा

मातंगीनासाथमाकरीरहे लोकरहितएहवो समय विद्युन्माली मातंगीसाथे ब्रह्मचर्यरहितथयो प्रसूपकार उमा

मायंगीहवरयणीएणंनिज्जणसमए विज्जुमालीए मायंगीसद्धिं अबंभसेवणा पमयंकविलणा उमा

समयहि प्रमांहिसूती विद्युन्मालीनीविद्यानहीसिद्धथी डोलेब्रह्मचर्य तेहनीजाणनीविद्यानाथई वलीअर्थविणसिद्धनथ थी

संतरिए विज्जामालीविज्जामसिद्धा डोएवंसंझा तेणंकालविणंवयलद्धा अणंपिअत्थणसिद्धा

तिवारइंजेथवेमेघरथनहीचूको मातंगीथइ धणंदायवाचेवादेवाद विणमासनीदरमनेकरीरहो वमलीवि

तयाणंजोमेघरथो तेमंजाका मायंगीसकहायनावंदसिया भणभणसद्धमाणेठिया एवंभणीवि

छालीधी तिवारइंपछेमेघरथविद्याधरनीरहालीथे अनेकराजानीकन्यानोपतीथइ वणेसुखभोगवे

कासिया तदपज्ञमेघरथो विज्जाहररज्जलच्छा अणेगरायकन्नापाणिगहिया अहियसुहंविल

देखीतिमअमारीसरीरमातंगीसमानथइ असुचि तेविद्युन्मालीनीपरइं जेतहीयानं मेघरथनीपरे

सइपियातदाअम्हंसरीरएमायंगीसमाणा असुयं विज्जमालीइव अहंनसयामि मेघरथइव

सुखभोगवुंछुं भोगवसुं तेजणीजंसंयमलेइविचरसुं जंबूदृष्टांतेनवमोउद्देशक: ९ तिवारइं

सुहंसिद्धिमज्झेविलसामि तम्हाअहंसंजमंविहरिस्सामि जंबूदिट्ठंतेनवमोउद्देसो ९ तयाणंजं ३८

जंबूनीवहुवीकाथी कनकसेना कहवेली देखाडीजेसंयममतलो आपणा रिधीस्त्रीनोसरीरजोमी

बूवज्झीनारिया कणगसेणा एवंवयासी सामी अम्हं संजमं मागिण्हइ अम्हारिसीइत्थीसरीरंवयइ सं

संयमलेसो तिवारइंअमनेसिद्धिसुखनहीजासी ... जासी देखाडी

जमंगिण्हस्सइ तयाणंअम्हंसिद्धिसुहंनभविस्सइ अहलोएवंवेनकइं विकोइवसविस्सइ सामी

सांचलो ... सरवरण कोइकडुंबी वसइं तेकरसणवे आजीविकाकरतो पंखीत्रलावानइं अर्थइं

गुणेहमत्तेहतरइ सरसरणामे कोविकुडुंबि कोवसइ सेकरसणंआजीवंविहरइ पंखीउड्डावण

मालेचडइ सरवजावे संखवजाडेकरी कोइपशुपंखी वेतीखायनही एलीरीतेरहेछइ

धमालेआरोहेइ संखंपूरेइ संखसद्देण कोविविट्ठंगमपसुनोकरसणंलरकइ एवामेवविहरइ

एकदाराइं मालेरह्यो तेकुटंबीतेणीरात्रे कोइपल्लीवासीचोर सरवरगामप्रति अनेरापशुतेइनाथा

अन्नयारयणीमालेठिया तेकोडुंबीतेणंरयणी कोविपल्लीवासी सरवरेपविट्ठ परपसुगहियपण

डोहांतेचेत्रलइं निहामाहिरे आव्या तेहनापशुनोशब्दसांभली मालेरह्यो कटंबीतेणें धननाश्राने अर्थइं

डोएवसेरवेतप तेवेवपद्धकेसावाखइ तयाणंपगरवे सुवा मालेठिया कोडुंबियअसरस्सणठ

संखवाडनीजे तिवारेतेचोरनाठा पछिकुटंबीये तेपशुलेइनइं अनेरइंथानकेवेच्या धनवंतथयो

ए संखसद्दं पूरिए तयाणंतेचोरपणठा कोडुंबियतेपसुगहिया अलणोविकिया धणलाजाएड

इसई वारतीन वार पशु लेईनइ घणुं धन नी संग्रह कीधी तिवारइं पल्लीवासी एकदा समय बकुनर मदरी जिमपूर्वइं सह सम्मेलई जातां नीसहसांच
वृपि तत्रापि एवं पशुगणान् हत्वा बहुधनं संगृह्य स्थितं सर्वपल्लीवासी अन्यदा कदाइं सनद्धबद्धउदायुधित
लोकनिमस पशुनां सां तेपल्लीवासी केटलै दीहे एक अरटवी बि एहवी जोतीनइ ते अटवीनइं पकनीनइ
ह्रासं रक्खसइं सुवा सेपल्लीवासी खेलं परिवेढइ कोडुंबिक मिणं वियालिया सेको डुंबियं गहाय बज्झ
घणे ही ले नाहइ तरजइ अपवीधसका बाधइ पूर्वलो धनमेल सर्वपल्लीवासीइ लीधो पछि जीनीबीते पिलहारी
हीलमाणे नाहइ तज्जइ अवहरइं बंधइ उविंधणं रक्खे तं सव्वं पल्लीवासीगहिइं उच्चनीवियं हारियांते
पल्लीवासी पाछणाया धन नास नइ समय लोक पूरबइं इेअटुंबी सातेसुंथयो कौटुंबिक कहइं घणं
पल्लीवासीपडिगया विन्नाय समए लोया अणुवंति कोडुंबिरयणीए किंलयं कोडुंबियं बयइ अइ
लोकनालक तिमइसामी तमे पिण अतिलोभ करीए दवाथास्यो तेनली हिवनांखुसोगतो पालैसंयम लेइ सिद्धिमार्गइ निवरस्यो
लोहफलं तहासामी उमं अइलोहं सविस्सइ तम्हा अज्जुणमु हं विविजसह पव्वज्जासह संजमं विहरि
डांभइ हसीते दशमीनइ स्त्री १० डिवेडंभूकनकसेनाउ देशुठी अपारा शरीरना तेणी प्रजानर कहइं कोउरइं नही सोनथकी अनेक
स्सामि डंभु हिदं तेदसभमिकउ हे सो १० डं भूयपज्जवरं नासइ पियाउयपसारीरे सोमं अइनलिंधामि अणेग १५
तवमांहे नीत हिसाक्रिया तो हिवएणी हसनथयो तेनली डंवानरनी परइंजहीयाहंडे इसामी अलणतेबानर
नवेनो पविलासंकक्का तवएसपाली नतपतिया तेनअहं वानरइ वनसच्चानि सामि को वि वानर

तेथकानेकही बूकुरइं कोइस्थानकै एकबनछइं तिहां वणनाना प्रकारनाइक्षछइं ते कहइं आंबा जांबुनी बकुलं
तेनअंउवदिसइ डंभु बयइ कोवि हाणे एगवणं पलंबा तत्थ विविह रुक्खा तं जहा अंबजंबुलीबकय
बड पीपल नालेर चंपो नारंगी सोपारी फोग बीजोरा पीपरी रायण बुबूल [illegible] करमदा सेवती
व वड पिप्पल नालिएर चंपा नारंग फोफल फोग बीज पूर पीपरी रायण बुंबूल [illegible] करमदा सेवती जा
जायफल तमाल बोलसरी खोर दाष अनेकप्रकारना फलवृक्ष कांटालावृक्ष [illegible] पांणीनां स्थानक
तीफल तमाल बोलसरी बदरी दक्के अणेग विविह फलरुक्खा [illegible] अणेगजलासया तेणं
तेवनमांहे वानरनो झूमखसइं सुखेरहइ छइं एकदा ते वनमांहे [illegible] आव्यो मांहो मांहि
वणमज्झे वानरजूहं वसइ सुहेणं विहरइ अन्नया तत्थ वणमज्झे तरुणवानर आगया अणेणं वि
विरोध करीय वानरनाजे कोइ पर्वतनै तटै पड्या ते तेसमे ते वानर इहानै वसइं रालनाद मनइस्थानकइं
रोहे जुज्झेइ वानर थेणक्का को वि गिरितटे पड्या तेणं समए से वानर पियासवसिए रालकद्दमठाणे ज
पांणीजाणीनइं वानरी पांणीने अर्थइं कादमांहे घातो तिवारइं तेशरीर लपटेलाणो हाथपांहि धातैती हाथ
लंपियाणिया वानरे एगहत्थे कद्दमपविसिया [illegible] हत्थं खेड हत्थे
रालनामइं जिम शीतल शरीर थाय तिम ते वानर वानरी कादमांहि थर सर्व
रालविलग्गा [illegible] वानरं वानरी कद्दमं लिप्पइ [illegible] ३०

सरीर काइमेक्करीघरहै पिणबानरनी रूपमाई तिवारेवलीकिमइसूर्यनीकिरणे शरीरनोकादमसूकै तिमइ
करी
सरीरकइमंस्राछायइ बानरपियासनजमा तदप्पभाजहाग्रस्सरकिरणे कद्दमसरीरेसुक्कइ तहा
सरीरेबेदनापोमबइं देखीएणीदृष्टांते कीनरीवरना ताहरा शरीरना तेजणीभ्रानमनइंसमेसंयमतोस्युं
ख़ु सीणतइखिमइ
ग्रसरीरेवेयणावेयइ पियाएवामेव ग्रहंनलिणापि तवसरीरेजोगं तेणविन्नायसमएसंयमंगिण्हस्स
जंबूदृष्टांते एकादशमोउद्देशो ११ तिवारे जंबूनीपंचमीभार्या नबसेणा इमबोली देस्वामीभ्रम्हारीसो
पि जंबूदिट्ठंते इक्कारसमोउद्देसो ११ तएणं जंबूपंचमभारिया नबसेणा एवंवयासी सामीअम्हजोग
मस्कूप उमारेशरीरइंलागो नेहिबमांनहीमूंकाय तेजणीस्त्रीनाशरीरसाथे सोगविलसी देजर्जीर घणलो
कोदी
कइमंउम्हसरीरेविलग्गो ग्रज्जणमुयासी तएणंसुंदरीसरीरसद्धिंभोगंविलसेह बहुहा ग्रह्नले
नथवलीघाकिमहीहै अनसारिषीलीझी जांबूकहइं एसाचोबसन अमेपापपंकमय अशुचसरी ओइदेणिणउ
काइमबइ बीठइं सिद्धसी
देणनतित्तिअत्थि अम्हारिसीनत्थी जंबूवयइएसमहुवयणं उमेपावपंकंग्रसुइस्वा ग्रंतेसंनिध
नइंकादमस तेजणीअमझारिखीनकांइनथि तिवारेनबसेणाकहइं देणणमाथयलोलोन किमसिद्धि
मानवइ सजोनही
मपंकस्वा तेणंउमंसारीसीनज्जमंनत्थि तएणंनबसेणावयइ पाणनाहसीदंनजइं भवासिद्धि ३०
बुद्धिनामदलहलीतिमतुमेथासो देसामीसो किणहीघामेसिद्धि बुद्धिनामा इनकीनेबसइं परनाघरनीकामक
नही रइ
बुद्धि महावअंतविस्स सिसामीसुणेह कोविगामेसिद्धिबुद्धिनामंदरिद्दणीवसइ परगेहकम्मका

एकदाते सिद्धिबुद्धि गीबरलेवाननी पामवाहिरग्रावी तिवारइंकोइसार्थवाह तेलावनीकांठेदीठइं
री ग्रणयातेसिद्धिबुद्धीगोबरगहणठाए गामबाहिरमागया तत्थएक्कोविसत्थवाहं सरतटेपासइ सेस
तेसार्थवाहनाजोकजीमतां कीजाक तेदरद्रणी देखइं इमचिंतवे एसार्थवाहनाजोकजीमइं कीजाकरी
रहा
त्थवाहजणभुंजमाणं कीलमाण तेदरिद्दणीविलोअइ एवंचिंतइ एससत्थवाहजणभुंजइ कीलइ
एकेहाकर्मनाफलछे पइबोचिंतवी कोइश्रावणदृश्यो एकेहाकर्मनाफल तेश्रावणकहइ देवतानीपूजा
नाफलबइ
किंकम्मफलाएयं ग्रज्जस्थिमाणे कोविग्रावणतस्सा एसकिंकम्मफला तेसावणवयइ सुरपूयाफल
तेखुवतसांज बिनायकनीत्रा पूजाकि तेहमीदेदरीली फकफलवडावइं शमासनैशांतरे तेदरिद्रणीबुद्धीव
जीनइ थई रइ पइ
नइ
तेवयणंसुच्चाविणायगंग्रारहेइ पूयइ तस्सगिदंलिपइ पुप्फंभुंतावेइ छम्मासंतरेएसेदरिद्दणीबुद्धी
सकष्टथयो तिवारेबुद्धिइमकहै हेदेवतामुझनेधनदेहि · देवताकहे दिनप्रत्यइं मोहरएक सुखेरहो
एकश
पइसंतट्ठा बुद्धीएवंवयासी देवमंधणंदायेयइ देवोवयइ दिणेदिणएगदीनारंगिण्हइ सुहंविहरइ
तिवारेबुद्धिसुखेविचरइं धनवंतथई एकदासिद्धि पूछइ ताहरइंघरेएहवीरिद्धकिमथई तिवारइं
तएणंबुद्धिसुहंविहरइ धणड्ढासूया ग्रन्नयासिद्धिपुच्छइ उमंगिहेएरिसीऋद्धिकिंसूया तयाणंबु
बुद्धिसरलस्वभावथी सर्वकही तिवारेतेसिद्धिपणकरी विनायकग्राराधै ग्रत्नकमेअइ मानथई
द्धिसरलसन्नावेणसव्वंनिवेदइयं तयाणंसेसिद्धिविसेसंग्रणिएविणायंग्रारहेइ कमेणसंतुट्ठेसि

पच्छे सिद्धि कर्इ । देसामीदेवताञ्ञुद्धीयथकी विमलो धनमजनर्इत्र्यादि [illegible] इमजको पलीरीतइ वर्इनैविवादलाग्यो विमलोश्वप्न

विवयइ सामीञ्ञधीउगुणंमगंञ्ञपेइ देवीवयइ एवंसबद्ध एवामेवउदेविवायलगा उगुणंइरिद्धि

फोगइ तेदेवताआवे एकदासिद्धिनैऊपर विरोधथइ एकदासम तेञ्ञद्धिदेवसाथती [illegible] देसामी देवता

जीयइ सुरोञ्ञपइ ञ्ञण्णासिद्धिउवरि विरोहंवदइ ञ्ञण्णा तेञ्ञद्धिदेवंपयइ एवंञ्ञसी सामि

मादेरीएक आपणी देवताकर्इ इमजको [illegible] तिवारेपछेसिद्धि ञ्ञलजांलतीथकी देवता वचइ

समएगंरवीकरेइ देवीवयइ एवंसवद्ध [illegible] गंरवीसविया तउपाञ्ञसिद्धि ञ्ञविचाणमाली सुरप

इमकर्इ तेञ्ञाज ञ्ञद्धिवती दीधी तेहमध्यकीभ्रजनर्इबि मलो ईहि तिवारेंदे घतार्इ वेञ्ञापञ्ञसिकोमी ञ्ञाधीथइ

इं एवंवयांइ डो ञ्ञक्कञ्ञद्धिएइंदविया तेममडगगंदावेइ तयाणंसुरेदोञ्ञच्छिपुसिया ञ्ञधस्स्या

तिमहेसामीलोनथकी उपेञ्ञारा मोकल्या सुष वेथकीव्हथा सुष सपी [illegible] गोला तेमाकोना सुध्रमतबोछो

तद्दासामीलोहेउम्ह ञ्ञम्ह सुहंसिद्धिसुहंडवेञ्ञक्कसइ तेणंइ [illegible] मावयइ सिद्धिसुहंमाइविवयइ

पछेऊरानेमपेमेकेमार्ग्सादिरञ्ञादव्यो ञ्ञनुवरगंते घाइञ्ञशीञ्ञर्इराक्र्प तिवारेंजंबूनगसेनाखीवती घाणोत

पच्छाउरासमएसिद्धिमग्गंगिएइस्सइ जंबूदिवंतेञ्ञाससमोवइसो [illegible] एणनइसेणपइपञ्ञलरं ३१

तेरक देसीञ्ञं जातवंतधीकासमान थाइस तिवारेंनयसेनाकर्इ देसामीतेञ्ञण जातवंतधोनी सर्इ

लासइ पिया ञ्ञहंजाइउरंगमसमाणञ्ञविसामि तयाणंनइसेणवयइ सामीतेञ्ञोविज्ञाइउरंगम

ताभूकर्इ पहडाचरसद्धेवइ वसंतपुर [illegible] तेराजानेघरे एकधीतेहे नारइ लाजकहतौस ञ्ञनेक दिनवइ

डंबूवयइ इहेवसरहे वसंतउरे [illegible] तस्सरायगिहे एगंउरंगमंदोच्या सुलक्खणञ्ञोगा

३१× गुणनइलिवइ मीटाऊसकानजे खंघीमोटोचारीञ्ञधसहि एघोकतागुणडेतेतो जेहनैघरेघोतो स्त्री वव इनाबाकोमूष ततातो सहित

गुणेकसला किसलाबंकसुहा खंधञ्ञद्धियासकोदं एसउरियञ्ञगण डेणीदउरियदव्वीञ्ञसल

सलालोजय नेहनाघरनैविषैसुष थाय तेघोनोराजार्इ जिनदत्तश्रावकनैघरेराख्यो विरोष नतीकलाञ्ञीपवानइ ञ्ञर्थइ

रक्कणेनवइ तस्सगेहेसुहंनवइ सेउरंगमेरायाए जिणदत्तगिहे ठविया विसेसञ्ञकलासीस्कणठाए

तेघोमानेजिनदत्तश्रावक सिषाली विशेषलक्षणसहितथयो तेतेसमर्इ [illegible] जिनञ्ञक्कते सर्वकला तरइ

तेञ्ञासेसमणेवासए सिरवाविया विजेसलक्खणन्नुया [illegible] तसि जियसत्तु।

ञरीराजा वसैवर्इ तेतेराजार्इ तेघोमेजाणीनर्इ तेनगरमाहेघोघणदिराब्र्इक जेऊसप जितशत्रुमाघरथ सर्इ की

रिउरायापरिवसइ तेणरायाए ञ्ञासंवियाणियासेनयरेउघोसंघोसाविया डोउरिसेजियसत्तुगिहे।

उतलीघणोघोडो इहोञ्ञाणर्इ तेउरवनैगामनगरदेउ कं तिवारे एकउरघ्युसरहोवलतार्इ एहवीकहीञ्ञीघव कहेंजोञ्ञाणसं

सुलक्खणंञ्ञासं इहंञ्ञाणइ तस्सा [illegible] नयरंदावेमि [illegible] सिध्दवसंतउरा।

सातपुर ञ्ञावी जिनदत्तनाघरनैविषर्इ धोनानोञ्ञलदेघर्इ तेतोसुञ्जरवर सत एकदातेधोमानाञ्ञणमो घालीवारणोउघाडर्इ

माया जिणदत्तगेहे ञ्ञासणठाणंविजोयइ [illegible] तेञ्ञासणठाणेउछिडवारंविहाडेइ 2

सूतकबंदइपडिस्कनमा जिहांघीजोवइ [struck through] घोडिदेषी बंधनमोचइ घोडानीपूठउपरबेसी

खत्तआयणमए जेणेव ते आसे तेणेव उवागच्छइ [struck through] आसं विलोयइ बंधं विमोयइ आसरुहिंवि

तेसु घोडानीतजणनीतदार तिवारइ घोडो ऊमार्गिचालइ तेसुजट धरको करइ पिणउमा

हइ तेसुदने आसो कसप्पहारेइ [struck through] तेसुदने विविद विदं करेइ उण्णमग्गं

गिचालइ तिवारइ अश्वक जिनदत्तजाणी एहीतेसुजटबांधीनाखी तिमहेस्त्रीउमेतोचोरसारिखी कातरनोमनते

चलिया तयाणं समणे वासियं विआणिया तेसुइदे वयइ एवं तहा पियाउमे तेचोरसारिछे कातर

घोडासरीखे तेउमनमार्गनोसबतमानइ जैसमुरुसमानइ तेजातिवंतघोडासारिखो जंउमारास्वनका

मणउरंगमसारिछे तेउमंगमग्गवयणं मणइ जे सउरिसे मलइ जाइउरंगमसारिछे अहं उमह्रुवयणे

मस्तुपउमार्गइ नहीचाले तिवारइ नगसेण इमकहइ [struck through] जीणइमार्गइ

कामउमग्गं न वुलामि तयाणं नहसेण एवं वयइ [struck through] जेणमग्गंति

तीर्थंकरकामभोग सौगवा एहीमोक्षनोमार्गसाधी तेकामभोग फिमगुनमा नीकइ तेचलीइदांघरमांदेशुरवेसप सौगवो

त्थयरे कामभोग विलसियं पच्छा सिद्धिमग्गं साहियं ते कामभोगं कहं उमग्गं तम्हा इदं गिहे सु हं भोगं भुंज ३३

जंबुकहइ जंउमारीभोगजांनी सयमनीइविरस्सु [struck through] तिवा जंबुनीकीना

इ जंबूवयइ अहं उमग्गसोगं वयइ संजमं विहरामि [struck through] जंबूकहीना

कनककणी इमसोली देसानीआसलणाउउनीपरदंमूर्षपनथाबो देवछानसंमलो कोइकपुरषब्राह्मणवसइ

रियाकणगसिरी एवं वयासी, सामी विप्पउत्तइवमुठंपासवद [struck through] कोविगामेविप्पमासइ त

तेहनइपुत्रमूर्षइ तेहनोपितामरणपामो तिवारइ तेहनीमाता पुत्रप्रतइ इमकहेवी देवुधपितको

स्स उ तं मूढं अस्थि तस्स पियापरलोयं गया तयाणं तस्स माया पुत्तप्पइ एवं वयासी उत्ताणंपियं नवइ

देवजेकार्यं करवोमा सीजइ तेकार्यअधूरोनमूकीजइ देवत्रंपिलीनामउलक्षणछै पुत्रकहै देमातातहति तेमूर्षोपुत्र आमणवइ

३४ उत्ताजेकम्मं गिण्हइ सेकज्जासिद्धं नमुयइ उत्तापंदिय एसलक्खणं उत्तो वयइ अम्मा तहत्ति तेमूढउत्ता

ग्रामनीदेविरेवइ एकदाजंसारनाघरथकी गदह नाठो पाछै कुंभार दउड्यो रासभनदीपकडावइ

तेगामप्रवेसिविरहइ अन्नया पच्छा वइ गिहाउ रासभं पणट्ठं तेलइ पच्छा पइ कुंविया रासइं गिण्हावेइ।

तिवारै तेमूर्षउत्रबोल्या सावडोआवतो देषीनइ कुंभारकहइ देविप्रपकडइ पकडजो तेवलनसाजाली बाझलनइ

तयाणं तेमूढउत्तो विप्पे संभुइं पासइ [struck through] विप्पाइ मे रासइं गिण्हइ ते वयणं सुच्चा विप्पउ

ताउत्रदोन नाथको रासननोपूछपकडै तेरासननाठो बाझलमाउत्रनइ रासनपणीमाप्रहार देवइजातपाइड तेविलप्तूंउनमूकइ

त्ताधावमाणे रासहउ छं गिण्हइ रासइं पुणकइ विप्पउत्तस्स रासहं पयप्पहारइ नविविउत्तं न मुंचइ

एणनीजाततसइई पिलपूंउनमूंकी तिवारइग्रामलोकइमकहै रेमूर्षपूंछमोन तिवारइतेविप्रउत्र

रायप्पहारं अण्णनवइ उणउच्छं नमुंचइ [struck through] मूढउच्छं मुंचइ तयाणं ते विप्पउ ३३

इमहीलो उमेमूर्छी गद्धो कार्य जेनहीमूर्छ शकनइमाहरीमाताइमक लोभइ गद्धो नमूर्छि थी देसामीतेवि

तएवंवयासी उमेमूछागढियकजा श्रदं नमुंचामि नमंअमाएवंआसियं गढियनबंयइ सामीते

श्रइन्तनइ घणोहीरासमवीनइती तेमणीअमपदोबतन नमूकोली विणविप्पउनीपरइ शासे तिमइसामीव विणनहीमूर्वा

विप्पउन्नवजरासद्दीमइ अणगारमिंतयं नमुंचय उलविप्पउनइवनचिस्सइ नम्हासामी

नमउरस हवनहीकरइ तेनणीघरमाइउमेजसवैरही पवेसंयमलेस्यो जंबूइथीतेवउर्दवानइउ

उतमउरिसेसए नगिएहइ नम्हागिहे उमंसुइंविहरइ पच्चासंडमंगिएहसइ जांबुदिंतेवउदसमो

क: ५४ तिवारइजंबूकनकश्रीबदे पछेवरकहे देखीविप्रनीपरइदासजंथानेनही कनकश्रीकहे

अदेसो ५५ तएणं जंबूकुमारथविरेपइपउनरंमासइ पियाविप्पएइवदासंनत्वापि कणगसिरीवा

कणवित्र देसामीयजनैकहइं जंबूकहइ एहजनुरसहे वइं करास्यल आमइं कोइकहीबसइं

यइ कोविविप्पसामीमंतवदिसंव जंबूबुयइ इदेवसरदेकसत्थलगामेकोविस्तवीपविखसइ

तेकृत्रीनइघरेएकघोडीबइ ग्रसंगीसलखणी तेघोडीनीसेवानइं अर्थइ एकउसवराको सदाघोडीनीतेसाव

तस्समेदेएगउसंगीवेस्था सुसंगीसुलक्खणी तेउसंगीविएगाएएगजरिसदाविया सोयाउसंगीसेसा इइ

सेवालकरइ तेघोडीमइंअर्थइ जेहवीयअसनदालेदेवै तेमोइतेवउरुष असनदालीकाइइ

रलक्खणंकरेइ तेउसंगीश्रंगाएजेरवलिएअसणंदावेइ तस्समज्जसेवउरिसेअसणंनियासेइ वि

देवे अथवास्वाय तिवारइतेघोडीनी दुबलीथईं अकालेजीवतव्यथकीरहितथईमरणपामी तेघोडीकालकरीनइं वेशपाकुपनी

केइ सरकेइवा तयाणंतेउसंगीकिसीभूया अकालेववरोविया तेउसंगीकालंकिद्धा वेसासकुलमि

घणीरूपवंतथई घणोतेकामाप्रननीभेद सर्वेविचरिते तेघोडीनीसेवानोकरण कालकरीने ब्राह्मणथयो एहारी पुरुष

अईवरूववई बहुजणमणमोहणीस्वेलंविहरइ तेउसंगीविणयउरिसकालंकिद्धा माहणत्तया

तेब्राह्मण एकदा तेवेश्यादेखी मोहपाम्यो तेब्राह्मण वेश्याप्रते प्रार्थनाकरइ तिवारैतेवेश्या कहइ

तेमाहणेणं अन्नयातेवेसापासइ मोहंगया तेमाहणवेसाएइपत्थणाकरेइ तयाणंतेवेसाकहइ

ब्राह्मणनेनहीबांछे वलीब्राह्मण प्रार्थनाकरइ इमवेश्यारहणथ वेश्याघरनइंबांछे तेनेब्राह्मणनइनहीबांछे २

माहणनइछइ उपरविमाहणपत्थणकरेइ जइंपितइंपिवेसाएइइछइ तेवेसामाहणनरकरव

तिवारइं पूर्वभवसंबंधी तेब्राह्मण वेश्यानइंघरे दासकर्मकरइं घणोकष्टपामी नामकर्मलिद्धे एसइं

इ तसपच्छा उलगिसंबंधितेमाहणवेसागिहे दासकम्मंकरेइ अईकट्ठवेदोपाली नामंदासवि

घोडीनोदास पूर्वकृतकृत एहीजकूलसंबंधी परनाघरनेविषइ स्त्रीपिणथाय बंधवमित्रथाय ऋणथकी वाकरतेस्त्री छइं ग्रबंधाय

डेरियाए उलगिएकहा जीविरिएसंबधिपरघरंउतंजवे कलत्तंनवइ बंधवमित्तंनवइ रिणपर

परनाघरनेविषइं परनाघरनइविषइ देखीतिमचमारेसरीनथि जउकनोदासथाउ तिवारैकनकश्री वासीजवइ दीसजवइ

घरवासंनवइ परघरदासंसवइ तिभावसडनमरंगसथि अहंउमंदासंनत्त्वापि तयाणंकण

२५

णसिरीवयइ सामीजेणारिया नाणरक्खासंकीरइ तेकंकला अन्नारिया अणयारणी अग्गिवमंदेव

इ वकुमारकंदव आराहि सस्साउमकाले किंचि आएसं नदाइ सइ तम्हागिसं चिठइ जंबूवय

इ जो सारिरियामपंकामन्नो गंनु रुयइ संयमं गोण्हिस्सइ जंबूदि ठंते पवरसमोवइसो ससलएणंजं

बुपइस लमी नारियासवसिरी एवं वयासी सामीपंरवीइ वणासाइ संकरु थित्तंमाकरेइ कोवि पव

एणगइासजे वग्घं वसइ जयाणं साधुं दिवसेसयइ निद्दावसेनवइ तयाणं वग्घइं विर्यासया

निदइ तयाणं कोवि सेयाणंपरवीविशेसे धीरचित्तं करेमाणे तेवग्घमुहं पविस्सइ तेवग्घमुहे दंतम ३५

जेमंसंअत्थि तेमंसंसेयाणयं लरकइ पुणरवि नियासइ पुणरवि पविस्सइ सेसेयाणंएवं वयइ

अहोजीवो मासंकरु सामीते वग्घमुहे एवं नासइ पुणवग्घमुहं पविस्सइ पुणो विनासइ पुणोविव

ग्घमुहं पविस्सइ सामी तहा अम्हंकरिस्सइ नाहं अन्नेसा सिस्सामि सामीगिहं चिठइ सुहं भुंजइ त

राउमंनमनस्सइ वल्लइ जाउणं अग्गिपालि गिण्हा नउणं अम्ह सद्धिं सुहं भुजइ मा मासंवयणं परवी

इ वमानवइ सामीजरासमएपच्छासंजमं विहरिस्सामि जंबूदिठंतेसो तमो मइसो एइ तयाणं जंबू

कुमारो एवं वयासइ नारियाअहं धम्मसद्धिं मित्तीकरोमि तहा तिन्नि मित्ता तहाधम्ममित्तं

मंसयइ तयाणं रूपसिरी एवं वयासी सामीते के वितिन्नि मित्ता मंजवदिसइ जंबू वयइ इहे

व जंबूद्दीवेभारहेवासे सुग्गीवनामं नयरे जियसत्तुणामं राया सुबुद्दीनामं मंती तस्समंतीति 35

लिमित्ता होत्था। अंगदा एगं निच्चं सया सद्धिं विहरइ सयण आसण अणेकं पएगं विज्जानसयइ तेणं
निच्चएगमित्ता एगमित्त पव्वदिणे जयाणं मंतीगिहे पकज्जणइ मंगलसमए तेमित्त सद्दावेइ भुंजावेइ
तेपव्वमित्ता णमंसण मित्ते एगदिवसकज्जे एगवारं पणमेइ कुसलं पुच्छइ तेजुहारमित्तेणमं एएतिन्नि
मित्ता मंतिया होत्था निच्चमित्ता अईववल्लहा पव्वमित्ता विवल्लहा जुहारमित्ता किंचिवल्लहा इयं
चणं मित्ता मंती विहरइ [illegible] मंती नयसीयाओ जेणेव निच्चमित्ती तेणेव उवा
गच्छइ २त्ता निच्चमित्ती एवं वयासी ममं गेहे [illegible] निच्चमि तेण नियगिहा
ओ नियासिया [illegible] मंती जेणेव पव्वमित्ते तेणेव उवागच्छइ २त्ता ममं रक्खह तयाणं पव्वमित्ता एवं

नयइ मित्तममं [illegible] तणं तेमंती जेणेव जुहारमित्ता तेणेव उवागच्छइ २
त्ता ममं रक्खह तयाणं ते जुहारमित्ते एवं वयासी मंती मा सीयह ममं गिहे चिट्ठह पियाकिं [illegible] जुहार
मित्ते रायसद्धिं मंती एवं [illegible] जीवियदाणं दाविया तेजुहारमित्त गुण पियाएवा
मेवडीवे तउमित्ता पन्नत्ता तं जहा देहमित्ता कुटुंबमित्ता धम्ममित्ता एतिन्नि मज्जे केवे कि मित्ता सच्चा
अ जेवोमित्ते तेणदेहे कुटुंबे जीवं नो [illegible] धम्ममित्ता तेध म्मविन्नाइ नोपच्चे
ज्जेविन्नाइ धम्ममित्ते कामे नय विन्नाणी सिद्धिमग्गं विन्नाई पियातेण अउ देहमित्त कुटुंबमित्तं चइ
ता धम्ममित्त सरणं पडिवज्जामि [illegible] तेससरमोउद्देसो [illegible] धम्मीचारिया [illegible]

कहइ एकोइ कल्पित वृत्तांत कहतो हुतो मननी कल्पि कथा कहीजइ एहीरीतें अम्हें पतीत करउं नही जिम वांसलणनी वार्ता

सिरी एवं वयासी एसा का कप्पियविन्नत्ता मा सिया एवामेव अम्हे न तपत्तियामि कहाविपउत्ती का।

कल्पित वृत्तांत तिम कोइ एकइ कही इहां पीसांज एहिज नगर कहइ सिरीउर नगरइ जितारी नाम राजा नित्य कथानो रसिक छइ

प्पियविन्नत्ता तहाउ अंसा पीसुणेइ इहेव नयरे सिरीउरे नयरे जितारी णामं राया निच्चं कहारसिय

गाथा भली नवनवी कहइ इति तेहनो रसिक शास्त्रनो ज्ञाता छइ नित्य एकनवी कथा सांभलइ सिकार अंतेउरी नोजनणी

गाहाणीय कहा इहा एविविहरसियासत्थकुसला निच्चं एगं सं कहा सुणेइ सव्वं सा राया नीयएं तुंज

तेराजा कथानो रसनी छइ तिवारइ घरना बारणइ पतें घर घर वारो करी एक एक कथा राजा प्रतइं कहई इम घर घर प्रतीवार

५ तेकहा विसनी नूया तयाणं गिहपडिवारं गिहे गिहे पइवारे पणरायापई कहा पस्सवेइ एवं गिहदि।

वारा आणवा पछा लेनैसमय राजा बोलावइं नगरमांहि एक कथा राजा प्रतें कहइ पछै आपणेघ रेजाय इम सदा हिव रेछै

६ वारा आगियव्वा विसाय समये राया सद्दावेइ पुणकहा राय पई भासइ पच्छा पगिहं गए एवं सयाविह

एक दा कोइ ब्राह्मणना घरनै विषे सेवकवइ आवी कहइ राजाने तेडै छइ तिवारइ ते ब्राह्मण

२६ अन्नया को विमाहणो इ कन्नुं विय उरिसा पाणया एवं वयासी रायासद्दावेइ तयाणं तेमाहणम

हा पूर्ब छइ अर्थविचार नोजाणइ तिवारइ ते ब्राह्मणनइं घरें बीही छइ इम बोलीं इहितां राजाप्रतइं कथाकहुं पछइ

दामूढा अठ नवेयइ तयाणं तेमाहणो इहे डरी एवं वयासी पिया अहं रायाए कहाए सु पयावि पिया

पिताजी आदेश जिहांराजसभामें तिहां जावइं राजा प्रतें आपणइ कहइ इहां राजाजी कथाकहुं राजा कहै

आएसं गिण्हइ डोलेवराया सा ता लेखेव ठाण मव राया पयंपुण मेइ सा पीअहं कहा न सा मि राया वय

कहो ई राजा माहरी वरि असीनें एकदा धुरु नें यौवन माता पिता जोइनइं किण दीक कोई बासलणना

इनासइ राया मम च रियं सुणेह अम्हाया मं डासुणं अम्हापियविया णिया को विमाणे को वि माहणएपु।

वसुधा कीधो विवाहनो निच्चेलन तिवारइ ते ब्राह्मणनी वव माहरी रूपवंत नारी माहरै घरें आवी तेसमा

तसहि किंच विवाह निस्सयं तयाणं तेमाहणएपुत्ता मम सुरूवं विलोयप डाए मम गिहम्मा या तेणं समए

घरमांहे मातापितानहीं छे किं एक लीहु तिवारै ते ब्राह्मण पुत्रनै मैं निर्मल मनै करी छल्यो तेनलीयै

मम गिहे अम्हापियमत्थि अहं पता अत्थि तयाणं तेमाहणपुत्ता मम निम्मलमइ छलक्किया तेणमया

घणो आदर करी जिमाड्यो भोजन मान आदर दीधा तिवारै पछै माहरा घरमांहे पलंग ऊपर बेसे माहरा शरीरनो भोग

बहुविहाभत्ताविया तोयणमाहणइं तनपच्छा मम गिहम्मज्झे पजंके ठिहीया मम सरीरे भोगं कुंरव

मनवचन नेत्र हाथे करी कामवासना वरत्या समस्त कीडा करी वीजा पैलाजई ने तेब्राह्मणनापुत्रनो

इ मणवयणनयणहत्थे ण कामसंवासवेइ सम मस्सा एस हावेइ अहं तजाणए तेमाहणपुत्तवयणं

ननहीमान्यो तेब्राह्मणनै इम कह्यो इ प्रिय थी अनाथ लोमत घणी मूलाणी ते ब्राह्मण करी संजोग छै

न अराहिया तेमाहणमम एवं वयासी सो पियथिणं मा सव्वदा अहं छहावरे सोदोदत्थे किंज्जा।   २

एलीपइलीकीक्षपडीसईबातथासी तिवारिंतेप्रसलएग्र प्रारहूपनेमी कामनइबसैकरी तेहमांहेसूलइगट्र

सि णाणिग्गादएणद्वासङ्ग नविस्ससि तयाणंतेणाइएणमंरूवणोइ कामवसिएडदरेसु जणएलूए अ

अकालेतेप्रासलगवन्न कालकीधो तिवारे जविंतड कोइनरीनारीनो नजो एहवीवितवी

कालेतेणाइएणउन्ना कालंकिच्चा तयाणंअइंचिंतइ कोवि नवियाणइ तं तरूमा एवं अजणियैमाणे

मई तेघरमांहे प्रानघीदाकरी तेहासलगनवेतिहांमाहो कउपरलीधि रमलीवन्न, लिखी कोइनजा

मयातस्सगिहे मज्जेखायं करेइ तेमाइएणतस्थद्वाविया अवरिलिहिएमाणेरमस्सूमीकए कोविन।

तिवारैएवैप्राइरा प्रानादिनाघरे आव्या तिवारैराजाइप्रबोलो हेवासलणज्ञी एकथासावी

वियाणइ तंदपक्कमनं अम्माप्रियगिहे पागया तएणंराया एवं वयासी माइएणज्ञी एसकहासञ्च

अथवाजूत्री तिवारेवासलणनीज्ञीकहइ हे माहाराजाआज थकीवेहिलो अभैजेकथासीनली तेसहुंसाची तेएकथापित साचीछइ

अहवा तयाणंमाइएणज्ञीवयइ रायाअज्जदिणांइजिकहाउमेमुक्का तिसकेसच्चा तं तएसकहा

राजातिवारेकहै एकथासाचीछइ तिमहेसाप्री अप्रहमैं कलितकथाकहीछई तेअणीकथाइंकरी

सच्चा रायातयाणंवयइ एंसच्चा तससामीअमेअम्हाणंकप्पियकहाउवइंसिया तेणकहाए अ २७

हमारीमनमहीवेद्दै हेमामीअमेघरमांहेरह्यो अम्हसारिखीस्त्रीनाशरीरनोनोग एकइजरानैसमय सयमअावेसा नोगवो थतेइ

हंमणंनजिणइ सामीअंमगिहेचिठइ अम्हारिसीसरीरेनोगंभुंजेइ एकाजरासमएसंजमंसहिंगि

अविरसए नीकइछीते अत्याइआमोअइसो १८ तिवारेजंबूपामीउत्तरकहे हेजय सश्री जेअलितागसारिखो नथाउं

णिहस्सामि जंबूदिठंतेअकारसमोउद्देसो एतएणंजंबूएउत्तरंबयइ पिया अहंनलितांगसरिखोनव

जेमे अपाराहेवयवै धर्मद्वोख तिवारेजयनश्री इमबोली हे साप्रीतेकउण ललितांगकुमारकहोछ

वइ जेणउमंमोहवयणंध्रमंवयइ तयाणंजयनसिरीएवंबयासी सामीतेकोविललितांगमंमव

जंबूकहइ एहजंबूद्वीपनामा द्वीप नगरछैते बसंतपुरनामा नगर तिहांसतापथनामा राजा रूपवतीनामापटरांणी

दिसेह जंबूवयइ इहेवजंबूद्दीवे भरहेवासे वसंतउरनयरे सताप्रहणमंराया रूववईणामं

सबैरूपनोगवता रहछै एकदारूपवती गनघेरछीछै तेहिसमय व्यवहारियानोपुत्र ललितांगनामाहूछै

देवी सुहेणविहरइ अन्नयारूपवइगवक्खेठिया तेणसमएणं ववहारग्गपुत्तो ललितांगणामंघ्प

पवैतेरूपवतीनेहदमनी करइ एहवासदरपुरुषसाथे किवारे क्रीडाकरस्युं एहवोचिंतवी वेमीसाथेतेजलि

सइ सारूपवइमोहंपत्ता एरिसस्संदरउरिसस्सद्धिं कया कीलइस्सामि एवं चिंतियएचेडिएइ सल

नाग बोलावीनइ तेनोघरमांहिराखो जिवारेपंचइकारनाकामनोगनोसमयथयो तिवारेराजा रूपवतीनाघरनी

लितांगसद्दाविया घरमंमिज्जठाविया जयाणंपंचविहकामसोगसमएजाया तयाणंरायारूपवती

छिद्रे कीडाकरवाजे आवइ तिवारेरूपवतीनयचीतवइ थकी तेललितागनेलेईनइ शरणीनामकूपमांहे नाख्यो

गिहे कीलणछाएउवागछइ तयाणंरूपवतीभयभीया सेललितंगंसायसंडासमलमज्जेठविय

तिहां घणो उछव जोतां देखी नरकेसरी एहवे राजा आवतो रथ कीनी हवे ललितांगनी धाय सदा रहे करके नदी
दूव कलइ
तत्थ महाउच्छवेयइ नयरसमाणे [illegible] ललियंगं धम्मज्झे सयाविठइ नफंदइ न-
कालेन आहीपाणी किं वारे जनने अव कइ [illegible] दासी घर मांहे घाती पांणी घर मांहे देवइ
ही नथाय सरे
वालइ न सक्कइ कयाइ सोयणवेलाए किंचि असणं कणं दासी घरं पक्खिवेइ नीरघरं दावेइ धि-
विष्टा नो जीव ललितांगनइ घणो दुःखी थायवइ ते ललितांग [illegible] मातापिता उपनो वियोगी आथमाइ
क्रियी ना
नडीवे ललियंगं करेइ माहावेयणा पाउच्छूया तयाणं ते ललियंगं अम्मापियाउ विजोगेणं वि-
देषइ पिलनदीसे उपनो वेदनी करी भार रहइ ते ललितांग एह वोहितवइ हिवना केतेउपायकरी
लोयइ पुण्णो पासइ उच्छवेइ अम्मापियं विहरइ ते ललियंगं एवं अन्नया अकाणेण वधानि
नी कलेजं तिवरि ते वली इहांजे आनंदी इमचिंतवतो को तजे दिने वर्षा थई ते बार भोवी मांहे
रहइ वइ
स्सरामि तयाणं उयरविहइदं न आगमि एवं विहरइ कइ दिणे वासापाउच्छूया ससंचार मज्झे ल-
ललितांगनो सरीर धोयो न कोई समय लोकरहित थइ जाणी ते ललितांग नाठो आपणे घरे आवी मातापिता
लइ रहयो नइ मिल्यो
लियंग सरीरं धोवाए द्वोसमएणिरंजणं वेयालिया सललियंगं पुण्णा नियगिहे अम्मापियसं-
घणो सुख करी रहइ ते स्त्री ललितांगप्रते तेरूपवती बोलावे ते ते ललितांग राणीने घरे
संग्रह वइ
जोगा अईवहरिसेणं विहरइ पिआ ललियंगं पइ तेरूवइ पुण्णो विसद्दावेइ ते ललियंगं देवीगि

स्त्री कहइ तिहां नही आवे तेइहां जंपिउ उत्तमो वचन तम जे कायर ते उत्तम वचनमानइ ते बार भोव
ते
रे किं आगच्छइ स्वजनो आगच्छइ तयाइ उत्तमवयणेन मणइ जो कायरा उत्तमवयणं आराहेइ सेसंवार
मध्य संसार संसार मांहे पड़वाई तिहाँली संसार उत्तम साहसीक धीर्य पंडित विचक्षण बलवंत तपस्वी
वंत
मज्झसमाणे गच्छवासइ पावइ [illegible] साहसिया पंडिया वियक्खणा सबला तावसा
जे उत्तमनां वचननो करी ने ध्यान ज्ञानि ललितांगनी परइं सयमरूप नगरमांहे पइसस्यु उत्तम सेइ बोलस्यु मोक्ष मार्ग
ही
जो उत्तमवयणेन मिला अरे तद्दा ललियंगं इव संजमनयरे पविससि उत्तमे सिलेइं वयसि सिद्धिमग्गं
साधस्यु जा जंबूद्वीपे एह बोल विचारि मोटउं [illegible] तिवारइ एहवे आठ बालिका स्त्री इम कहइ हे स्वामी
तिही धर्मनी
साहिस्सामि अहं जंबू दिहं ते वगणी समो उद्देसो ११ तयाणं अट्ठ बालिया संखुहा एवं वयासी सामि
अम्हे पण उपरि साथे संयम लेइ विचरस्या तिवारे जंबू इम जंपे तिवारे प्रत्यातो आठ उत्तम कन्या मातापि
कहइ समय ना माई
अम्हे उपसद्दिं संजमं विहरिस्सामि जंबू वयइ एवं नवड्ढं तएणं विसाए अट्ठ कन्नवालिया अम्मा-
आपणी बेटी नो संयम जाणी नइ प्रतिबोध जंबूनो संयम सा जंबूनो मातापिता समझ्या [illegible] जंबूनी नार्यांनो
पांम्या भलीनइ
पियाउ तीसं कमं वियाणिया संबुद्धा जंबू संजमं संबुद्धा जंबू अम्मापियसंबुद्धा एवं जंबू आरिया
माहोमांहे दृष्टांतसांभलीने पंचसय चोर प्रतिबोध इम पंचसय सखावी स प्रभु जाणी तिवारे पंचसय परिवारसहित
पांम्या वैराग्य पाम्या
अच्छेदं दितं संबुद्धा पंचसयचोरसंबुद्धा एवं पंचसया बी संजमं आया तयाणं पंचसय परिवारए

जिहांकोणिकराजाछै तिहांआवेआवीनइ समालीपारकोधनजेजिमलीधोछै तेतिमद्युनवदेवइ कोणिक
जेणेवकोणिएराया तेणेवउवागच्छइ२त्ता सव्वपरधणं जेजहा गहियं तेतहा पच्चप्पिणइ२त्ता कोणि
राजाप्रतइं मारीमांहेक्षमावै सर्वधननास्थानकराजा देखावै नजावइं आवै जिहां जंबूजी तिहांव
वइं
यरायापइ अणोमंखमावेइ सव्वधणठाणं रायापइ दंसावेइ खमावेइ अप्पइ जेणेवजंबू तेणेवउ
नवीआवइ तेजंबूधनपाछे धन्यछे जेणेचोरव्यसनसीखो जेणेव्यसनेनाइ रैसाथे संयमलेसुं
वागच्छइ जंबूधणं उमंधणअद्दं जेणचोरव्विसणसिरकया जेणव्विसणेतवसिद्धिं संजमं गिण्हइ
तिवारे कोणिकराजाकहइ देवनवाबीकराजानेअवइ तेनणीसुविहित संयमचोखालेवेछे चोरीनो
स्सइ तयाणं कोणिएवयइ पत्नवाउमंविकनरिंद२त्ता उमंसंयमं पसाजसंकजनपणंअत्थि तेणउ
लक्षणतेकरमनइंजोगे पूर्वेउमारीअमारोकुलसदाधर्मनो इमपच्चसाक राजाप्रमुखसर्वजोगे तिवारेकुमरदत्त
स्थानकवइं रइ सेवइप्रभु
रकुलंएसकम्मजोएउच्चिंउमंकुलेसियाधम्मठाणं एवंपसंसंति रायाइ सव्वजणा उसन्नदत्ताइ नव
जिणमाली तिणजंबू पांचसयसत्तावीसप्रभुसाथे कोणिकराजामहोत्सवसहित
संयमलइंकाजइं
नवदाणविरहकरमाणे जिणमाली तहाजंबू पंचसयसगवीसंसयप्पहा कोणियरायमहोच्छवे
जिहांसुधर्मानामाआचार्यछइं तिहांआवइं आचरणकीधइं वांदैवांदी इमबोले हेसामीसंसा
नइं
जेणेवसोहम्मेगणहरमायरिए तेणेवउवागच्छइ आदरणं वयइ वंदइ२त्ता एवंवयासी सामीसंसा
रथकीनिस्ता
रो तिवारइंसुधर्माचार्य इमकहइं हेजंबूतुंसंयमनिरवाहसि संयमपालतांदोहिलोछइं प्रथमनादीत
करी
रंनिस्थारेह तएणंसुहम्मधम्मायरिए एवंवयासी जंबूसंजमंनिरवाहसि संजमंडस्सह प्रथमदंत
लोहनाचिणा चावया डक्करछे इमसंयमडक्करछे जेजंबूनिर्ग्रंथ कबइं तेबोलचोवीस सदापालतोथको
लोहचणगावावेयव्वा डक्करा एवंसंजमंडक्करं जंबू जे निग्गंथासवइ तेवयणच्चउवीसंसया आरा
विचरइं नकरेइ पंचप्रमाद तिनगुप्ति नित्यसदाआराधे १ देवगुरुनीआसातना नकरइं २ सीत
हेमाणे विहरइ संजमा पंचसमिइतिन्नगुत्तिनिच्चं आराहेइ १ देवगुरुआसायणानसेवइ २ सीयं
उष्ण नवांछइ ३ जूतीविनां सदाचालै ४ लोचकरावै ५ एकवारभोजनकरै ६ धरतीइंसूवै ७
उण्हंनकंखइ ३ पणिहिविणासयाचलइ ४ लोयकम्मे विहरइ ५ एगभोयणं निच्चं ६ भूमिसयणं ७
अविजयप्रथसनानथकइ ८ सदापगनग्नअथ बावीसपरीसहै १० रात्रिचरविहारकरै ११ प्रमादवांछइ १२
स्याकरइं पालचराचे सहै
अयंविजाइ तवं ८ सयाजोगमणं ९ डवीसपरीसहा १० रयणीचरविहारं ११ पमायपरिहारं १२ अ
अप्रतिबद्धविहार १३ अनेराघरनोआहारलेईजीमवी १४ बाह्यकुपीली १५ अणविश्वासीनरोवे १६
रकरइं पीडवी
पडिबद्धविहारं १३ परगेहआराहारगहियभोयणं १४ अचित्तंडालं १५ असमंजसअजलपणं १६ लोग
लोकनावचन १७ एकजायमार्गेन १८ कृपा १९ प्रतिलेषणप्रमुखजेपडि २० गुरुवचनप्रमाणक २१ सदाविनय
सहिवा हीरइ करै लेषणकरइं रइं
वयणसहणं १७ एगठाणेनवासं १८ दयं ती १९ पडिलेहणपउंजणं २० गुरुवयणपमाणं २१ निच्चविण

जत्तसेवणं गुरुकुलसेवणं महव्वय आराहियव्वाइं एवामेव पव्वज्जा कावसदा कहाप्रेदे

नायाधम्मकहाए अज्झयणे तहा पव्वइया वंसवसि तम्हा पणथिरं करु कहा अरहन्नग कंबूव

यइ सयवं कोवि अरहन्नगा कंबूतयराए नयरीए दत्तानामा वाणिओ वसइ तस्स भारिया भद्दा उ

त अर अरहन्नक साक संजोए तेण तउ पव्वज्जा पयाइं उत्तम रक्कायरियान नियासेइ स्सामिणाए

केइ दिणे साक पियादिवंगया लोगया अरहन्नगा निग्गंथे गोयरा पविठा तेण समए उण्हकाले दोया

अरहन्नग उण्हे परीसह असहमाणे कोवि ववहारगिह गवरकद्वाए ठिया तएणं ववहारगा इत्थीए

इ परदेसगिया अईव विरहणी सेणं गवरवद्धिए सुंदर साहू अरहन्नगं पासइ इत्ता हवाका

मविकेणा हाया स निग्गंथ सद्दाविया एवं वयासी सामी एस केणहेण संकेण मन केणं कसह मग्गमाधरह

एसडरासय जरकणे उभंम पंगिइंचि इद मणंधणं भमवारीरं विलसेह अरहन्नगा रामा नयणय

यणं वेदिया तस्स गुहे णं कामसोगांधणं विलसमाणे विहरइ कंबू इत्थी मोहे कोवि इसाद सिया

कायरान ववइ नंदिसेणसारिखे वसगिहे वसिया कंबूतउ अपरको नामं नयाणं अरहन्नगमाया

नयरमज्झे अरहन्नगं सुज्झइ उम्मत्ता सुयं नगर मायासाकुणी विकलास्या अरहन्नगं पुक

रंकरेइ नयरमज्झे फिरइ तेग वरकद्दहे साक णीमाया अरहन्नगा वयण माया उवलक्खिया अरहे

उत्तरेइ एवं वयासी मायामारी यद्दि अहं तवउ त्ता माया एवं वयासी अरहन्नगा संजमं स्स वं किदं अ

हे माता कुल थकी संयम पाळे नही साहसी तपस्वी ते संयम पाळे जे हे माता कायर हुं तिवारई साधवी माता इम बोली

माणमणं संजमं न चलइ साहसीय नवेणं चलइ अहं मायाकायरा तयाणं साजणी माया एवं वया

हे अरहदत्त कुलसमुद्रो जीव चिंतामणथकी अधिक छ सुखकारी एहवो संयम प्रतबोध एवचन माता सांभळीनई प्रतिबोध पामी

सी अरहदत्ता अपं कुलविज्जो अयह चिंतामणिअहियगुणे संजमं चयह एसवयणं सुच्चा संबुद्धा

वली संयम लेइ माता थकी ते हि जदि ने अछकाले अणसण लेइ विचरै छै अरहदत्तनो सम्यक् प्रकारे परीसह सहै

पुणरवि संजमं आराहियमाणे अंतकाले अणसणे विहरइ असिणति एहं सम्मं परीसहं सहइ ।

जिम माखण ताव देवरघनै तिम शरीरे वेदना सहतो थको देवलोक गयो एक अवतारी थकु जासी ति हे जंबू संयम उदकर छै

जहा नवणीयं तहा सरीरं सहियमाणे दिवं गए एगावयारी भविस्सइ तहा जंबू संजमं उस्सदं जं

जंबू श्रीते विंशतिम उद्देश्य २० कः तिवारे जंबू धर्माचार्य प्रतई इम कहइ कायरने उकरनई साहसीक नै पाल वो

बूदिठंते वीसमो उद्देसो २० तयाणं जंबू धम्मायरियं पइ एवं वयासी कातराणं उस्सद्दा साहसी

सो हिलो छै तिवारे धर्माचार्य ज्ञाननै जोगे निर्मल जीवजो लीनई यावत् दीक्षा ली भी ते जंबू सोलेवर

णं सुलहा तएणं सुहम्मायरिए नाणजोए निम्मलजीवं वियाणिया जावपव्वइया ते जंबू सोलसंव ४१

स घरिमांहि रह्यो सतरमे वरस संयमचारित्र लीधो संयमे तप करी आत्मा भावतो थको विहरइ घणं वद्द

च्छरं गिहवासं सतरसमे संवच्छरे संजमं पव्वइया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ अणे

वेलाते लाचउला पछेला मासखमण अर्धमासखमण एहवी तपस्या करतो वीसबरस लगी छदमस्थ पणे विचरया शुभध्यानई केव

गछठ्ठमछवालसमासद्धमासखवणतवं करेमाणे वीसवरस छउमत्थकाले विहरइ सुहज्झाणे केव

लज्ञान उपनो चउमालीस बरस केवलपर्याय पाल्यो असी बर्षनो सर्व आउखो पाळी नई

लनाणसमुप्पन्ने चउवालीसंसंवच्छर केवलपरियायं पाउणित्ता असीसंवच्छराइं सव्वाउयं पालइ

यावत् सर्व दुःखथकी रहित हुसी हे श्रेणिक इमपछै चउसठ बरस लगै केवलज्ञान हुसी तेकिम त

त्ता जावसव्वदुक्खप्पहीणे भविस्सइ सेणिया अइपच्छा चउसठ्ठिसंवच्छरे केवलं भविस्सइ तंजहा

बारे बरस लगै गौतमकेवली पछे आठवरस लगै सुधर्मा केवली पछे चउमालीस बरस लगै जंबू के

स॰ बारससंवच्छरे गोयमकेवली पच्छा अठ्ठसंवच्छरे सोहम्मकेवली पच्छा चउवालीसंसंवच्छरं जंबूके

वली हुसी हे श्रेणिक जंबू पछे दस बोल विछेद जासी ते कहे छ मनपर्यवज्ञान १ परमावधि लब्धि २

वली भविस्ससि सेणिया जंबू पच्छा दसबोलबुच्छेया तंजहा मणपज्जवनाणे १ परमोहिलद्धि २

पुलाकलब्धि ३ आहारिकशरीर ४ क्षायकसम्यक्त ५ उपशांतमोह ६ जिनकल्प ७ संयम तीन परिहारविशुद्धि साध्र सूक्ष्मसंपराय यथाख्यातचारित्र एवं ३

पुलायलद्धि ३ आहारगसरीरे ४ खइयसमत्ते ५ उवसंतमोहे ६ जिणकप्पे ७ संजमतियं ८ केव

केवलज्ञान ९ मोक्षमार्ग १० एदस बोल विछेद पामसी हे श्रेणिक एजंबू नाम पंचम [illegible] सेवैये

लनाणे ९ सिद्धिगमणे १० दस बुच्छेया भविस्ससि सेणिया एसजंबू पंचमसदिठंत संखेव

42

जोणवा अनेरा ग्रंथनै विषे विस्तार थणो कह्यं एजंबूचरित्रजे सांभलै साधो सरदहै ते आराधक कह्या

ण नायियव्वं अन्नयरगंथे वित्थारपुवरं जवसि एस जंबूचरियं जे सुणा सद्दहसि ते आराहगा नाणि

जंबू अध्ययने एकविंशतिमो उद्देशो २१ इति जंबूनो अध्ययन संपूर्ण थयो इति श्री जंबूचरित्र समाप्त थयो॥

या जंबूअज्झयणे एगवीसमो उद्देसो २१ एवं जंबूअज्झयणं समत्तं इति श्री जंबूचरियं समत्तं॥

टबा प्रमाण ग्रंथ १२०० उनमानथी

सर्व ग्रंथाग्रंथ १९५० जाणवो

मूल ग्रंथाग्रंथ ७५०॥